निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शुक्रवार 30 सितंबर 2022 | पीडीएफ अंक-163 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –34 | सूर्योदय – 6 : 13
न्यूनतम – 25 | सूर्यास्त – 6 : 08

सोना चांदी

सोना – 51610.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 55000.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स –56409.96 | निफ्टी – 16818.10
रु/यूएस डॉलर – 81.80 | रु/यूरो – 79.26

प्रधानमंत्री ने गुजरात को दी 3400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात

- "जनभागीदारी" और एकजुटता का शानदार उदाहरण है सूरत
- आयुष्मान भारत योजना से 4 करोड़ से ज्यादा को मिला मुफ्त इलाज
- ड्रीम सिटी प्रोजेक्ट से दुनिया में डायमंड ट्रेडिंग हब के रूप में उभरेगा सूरत

सूरत/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को सूरत में 3400 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का रिमोट का बटन दबाकर शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात का सूरत शहर जनभागीदारी और एकजुटता का एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत के लोग यहां रहते हैं, सही मायने में यह एक छोटा भारत है। उन्होंने कहा कि गुजरात में चल रहे नवरात्रि समारोहों के दौरान बुनियादी ढांचे, खेल और आध्यात्मिक स्थलों की आधारशिला रखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा, ह्लसूरत शहर "जनभागीदारी" और एकजुटता का एक बेहतरीन उदाहरण है। पूरे भारत के लोग सूरत में रहते हैं, यह एक छोटा भारत है। सूरत की सबसे बड़ी खासियत ये है कि ये शहर श्रम का सम्मान करने वाला शहर है ह्व उन्होंने आगे कहा कि यह शहर जीवन में प्रगति की आकांक्षाओं को पूरा करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सदी के शुरूआती दशकों में जब दुनिया में 3-पी यानि सरकारी निजी कंपनी भागीदारी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनर्शिप) की चर्चा होती थी, तब मैं कहता था कि सूरत 4-पी का उदाहरण यानि पीपल, पब्लिक, प्राइवेट पार्टनर्शिप यही मॉडल सूरत को विशेष बनाता है। केंद्र और राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजर सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मोदी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार बनने के बाद तो घर बनाने में भी तेजी आई है और सूरत के गरीबों, मध्यम वर्ग को दूसरी सुविधाएं भी मिलने लगी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो दशकों में सरकार ने सूरत में गरीबों के लिए लगभग 80,000 घर बनाए, उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाया। आयुष्मान भारत योजना के तहत देश में अभी तक लगभग 4 करोड़ गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। इसमें से 32 लाख से अधिक मरीज गुजरात के हैं और लगभग 1.25 लाख सूरत से हैं। उन्होंने कहा कि सूरत के कपड़ा और हीरा कारोबार से देशभर के अनेक परिवारों का जीवन चलता है। डायमंड रिसर्च एंड मर्केंटाइल (ड्रीम) सिटी प्रोजेक्ट जब पूरा हो जाएगा तो सूरत, विश्व के सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक डायमंड ट्रेडिंग हब के रूप में विकसित

● ....शेष भाग पेज 3 पर

न्यूज फ्लैश

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में पीएफआई ट्विटर अकाउंट पर भी लगा बैन

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ सोशल मीडिया पर भी कार्रवाई हुई है। खबर है की माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर से संगठन के अकाउंट पर बैन लगा दिया है। खबर है कि लगातार हो रहे एक्शन के खिलाफ अब पीएफआई भी सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है। बुधवार को सरकार ने पीएफआई और सहयोगी संगठनों पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया था। पीएफआई के ट्विटर अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया गया है। खबर है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय की शिकायत के आधार पर ट्विटर इंडिया ने यह कार्रवाई की है। फिलहाल, संगठन से जुड़े लोग अब कानूनी राहें तलाश रहे हैं। 7 दिनों में इस्लामिक कट्टरपंथी संगठन पर यह चौथी कार्रवाई है। करीब 13 राज्यों में छापामार कार्रवाई के बाद सरकार ने बुधवार संगठन पर 5 साल के लिए बैन लगा दिया था। सरकार ने विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के अंतर्गत 'विधिविरुद्ध संगठन' घोषित कर दिया है जिनमें रिहैब इंडिया फाउंडेशन (आरआईएफ), कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई), ऑल इंडिया इमाम काउंसिल (एआईआईसी), नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स आगेर्नाइजेशन (एनसीएचआरओ), नेशनल विमेंस फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रिहैब फाउंडेशन, केरल शामिल हैं। पीएफआई पर प्रतिबंध की कार्रवाई के बाद दिल्ली पुलिस अलर्ट मोड पर है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजधानी के अलग-अलक इलाकों में पुलिस गतिविधियों में इजाफा हुआ है। कई राज्यों में रेड के बाद जांच एजेंसियों ने पुलिस के साथ मिलकर सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया था।

नड्डा को मिलेगा पूरा एक और कार्यकाल 3 साल और बने रहेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को पिछले दिनों कार्यकाल विस्तार दिए जाने की खबरें थीं, लेकिन अब उन्हें पूरा एक कार्यकाल और दिए जाने की चर्चा चल रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राज्यों के चुनाव लगातार होने वाले हैं और उसके बाद लोकसभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा संगठन चुनाव में नहीं उलझना चाहती है। इसकी बजाय भाजपा की कोशिश यह है कि मौजूदा संगठन को ही बनाए रखा जाए और पूरी ताकत राज्यों के चुनाव में लगा दी जाए। नवंबर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में भाजपा नहीं चाहती कि चुनाव से पहले किसी तरह का बदलाव किया जाए। इसके बाद राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक जैसे अहम राज्यों के चुनाव होने वाले हैं। त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और तेलंगाना समेत कुल 11 राज्यों के चुनाव 2024 के आम चुनाव से पहले होने हैं। ऐसे में भाजपा नहीं चाहती कि चुनाव नतीजों में कोई कमजोरी दिखे क्योंकि उससे 2024 को लेकर उसका परसेप्शन खराब होगा। यही वजह है कि जेपी नड्डा को लगातार दूसरा कार्यकाल देने पर विचार चल रहा है। पार्टी का संविधान भी इसकी इजाजत देता है कि कोई भी नेता लगातार दो बार बिना चुनाव के राष्ट्रीय अध्यक्ष बना रह सकता है। जेपी नड्डा को जुलाई 2019 में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर जिम्मा दिया गया था, जब अमित शाह को सरकार में एंट्री मिली थी। इसके बाद जनवरी 2020 में जेपी नड्डा को पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर जिम्मेदारी मिली थी। तब से यूपी समेत कई बड़े राज्यों में वह पार्टी को बड़ी जीत दिला चुके हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि यदि संगठन चुनाव होना होता तो अब तक राज्यों में इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाती। इसकी वजह यह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से 6 महीने पहले राज्यों में संगठन चुनाव का प्रॉसेस शुरू हो जाता है। इनकी शुरूआत नहीं हुई है, जिसेस नड्डा को एक और कार्यकाल मिलने का संकेत मिल रहा है। बता दें कि हाल ही में ऐसे कई वरिष्ठ नेताओं को भाजपा ने राज्यों का प्रभारी बनाया है, जो काफी समय से किसी अहम जिम्मेदारी से दूर थे।

अमानतुल्लाह को जमानत पर केजरीवाल का बीजेपी पर तंज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक और दिल्ली वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अमानतुल्लाह खान को बुधवार को जमानत मिल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट से अपने विधायक को जमानत मिलने के बाद आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। उन्होंने मुकदमों को फर्जी बताते हुए यह भी कहा कि 24 घंटे नेगेटिव और बदले की राजनीति करना लोगों को पसंद नहीं। केजरीवाल ने ट्वीट किया, "बीजेपी वाले दिल्ली में फर्जी जांच करते रह गए, उधर गुजरात इनके हाथों से फिसल गया। आज 75 साल बाद लोगों को अपनी समस्याओं का समाधान चाहिए। लोगों में जबर्दस्त बेचैनी है। 24 घंटे नेगेटिव और बदले की राजनीति करना लोगों को पसंद नहीं।" केजरीवाल ने अपने ट्वीट के साथ एक न्यूज लिंक भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि जज ने अमानतुल्लाह को जमानत देते हुए कहा कि आरोप गंभीर नहीं हैं। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान को जमानत दे दी जिन्हें वक्फ बोर्ड में कथित अनियमितताओं के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विशेष न्यायाधीश विकास ढुल्ल ने कहा, "इस आवेदन को स्वीकार किया जाता है। एक लाख रुपये का निजी बांड भरना होगा।" इससे पहले मंगलवार को अदालत ने खान की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था।

पंजाब के सीएम मान बोले- गुरुनानक देव विवि में भगत सिंह के नाम पर स्थापित होगी पीठ

चंडीगढ। पंजाब में सत्तारूढ़ आप पार्टी के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐलान किया कि गुरुनानक देव विश्वविद्यालय में शहीद भगत सिंह के नाम पर एक पीठ की स्थापना की जाएगी। मान भगत सिंह की 115वीं जयंती के मौके पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शहीद भगत सिंह (एसबीएस) नगर जिले में खटकड़ कलां स्वतंत्रता सेनानी का पुश्तैनी गांव है। जिले का नाम उनके ही नाम पर रखा गया है। मान ने कहा कि पीठ शहीद भगत सिंह की जिंदगी और दर्शन पर व्यापक शोध करेगी। उन्होंने कहा कियह कदम आने वाली पीढ़ियों को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करने में मदद करेगा। मान ने शहीद भगत सिंह युवा पुरस्कार को फिर से शुरू करने की भी घोषणा की। एक विज्ञप्ति के मुताबिक, उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार अलग अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए हर साल 46 युवाओं को दिया जाएगा। मान ने लोगों से यह प्रण लेने का भी आह्वान किया कि वे अच्छे मौकों की तलाश में देश नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम अच्छे मौकों की तलाश में पलायन करने के बजाय यहां रहकर व्यवस्था में सुधार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पंजाब की पुरानी प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएफआई के कट्टरपंथी दृष्टिकोण का हमेशा किया है विरोध, प्रतिबंध का समर्थन नहीं: ओवैसी

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख एवं हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कट्टरपंथी दृष्टिकोण का हमेशा विरोध किया है, लेकिन उस पर प्रतिबंध का समर्थन नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार द्वारा पीएफआई पर पांच साल के लिए लगाए गए प्रतिबंध के फैसले के एक दिन बाद ओवैसी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पीएफआई के कट्टरपंथी दृष्टिकोण का हमेशा विरोध किया है, लेकिन पीएफआई पर इस प्रतिबंध का समर्थन नहीं किया जा सकता क्योंकि संगठन के कुछ व्यक्तियों द्वारा किये गये अपराध का यह मतलब नहीं है कि पूरे संगठन को ही प्रतिबंधित कर जाए। सांसद ओवैसी ने सवाल किया कि पीएफआई पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन ख्वाजा अजमेरी बम धमाकों में लिप्त संगठनों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जा रहा है? सरकार ने दक्षिणपंथी संगठनों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया? ओवैसी ने कहा कि इस तरह का कठोर प्रतिबंध खतरनाक है, क्योंकि यह किसी भी मुसलमान पर रोक लगाता है जो अपने मन की बात कहना चाहता है। उल्लेखनीय है कि अजमेर में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में 2007 में हुए बम विस्फोट में तीन श्रद्धालु मारे गए थे और 15 घायल हुए थे। जयपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक विशेष अदालत ने बाद में दो लोगों को बम विस्फोट में संलिप्तता का दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कुछ लोगों का दावा है कि इन दोनों सजायाफ्ता का संबंध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से था।

हिमाचल की भाजपा ने खरीद-फरोख्त के लिए रखा 500 करोड़ का बजट : विक्रमादित्य सिंह

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के करीबी व हिमाचल कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हर्ष महाजन के भाजपा का दामन थामने के बाद प्रदेश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव व शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह ने आरोप लगाया है कि विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा ने विपक्षी दलों में तोड़फोड़ करने के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट रखा है। भाजपा ने इसे मिशन लोट्स का नाम दिया है। विपक्ष के लोगों को पार्टी में शामिल करने के लिए भाजपा कई तरह के हथकंडे अपना रही है। भाजपा के ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के इस्तेमाल वाले हथकंडों से भाजपा डरने वाली नहीं है। विक्रमादित्य सिंह वीरवार को अपने आवास होलिलोज में प्रेस वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हर्ष महाजन के जाने से पार्टी को कोई भी फर्क नहीं पड़ेगा। कांग्रेस के पास अनुभव और नेतृत्व की कमी नहीं है। पार्टी के पास आठ बार के विधायक ठाकुर कौल सिंह, छह बार की विधायक आशा कुमारी जैसे नेता हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस प्रदेश में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी।

अमित शाह के दौरे से पहले ऊधमपुर में बम धमाकों को देखते हुए जम्मू में सुरक्षा बढ़ाई गई

जम्मू। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले ऊधमपुर में 08 घंटों के भीतर दो बम धमाकों को देखते हुए जम्मू शहर व उसके बाहरी क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रबंध कड़े कर दिए गए हैं। शहर के सभी संवेदनशील स्थलों विशेष कर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन में सेना के वाहन और जम्मू कश्मीर पुलिस के आतंक विरोधी दस्ते स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पहले तीस सितंबर से दो अक्टूबर तक जम्मू दौरा प्रस्तावित था। अब वह चार अक्टूबर को जम्मू कश्मीर के दौरे पर आएंगे। पूर्व निर्धारित एक व दो अक्टूबर को होने वाली रैलियां अब चार व पांच अक्टूबर को होंगी। इससे पहले ही ऊधमपुर में 08 घंटों के भीतर दो बम धमाके होने के बाद जम्मू शहर व उसके बाहरी क्षेत्रों में सुरक्षा के प्रबंध कड़े कर दिए गए हैं। पुलिस के जवानों ने डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते के साथ बीसी रोड के भीतर व बाहर तलाशी अभियान चलाया। हालांकि इस दौरान कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। जम्मू शहर में नाकों को सख्त करने के साथ पुलिस कर्मियों को भीडभाड़ वाले बाजारों में गश्त करने को कहा गया है ताकि संदिग्धों पर नजर रखी जा सके। जम्मू पुलिस की सीआईडी विंग के जवान भी सादी वर्दी में तैनात हैं। इसी बीच नागरिक सचिवालय, उप राज्यपाल आवास, सुरक्षा बलों के शिविर, पुलिस मुख्यालय जैसे संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा के लिए तैनात जवानों को सतर्क रहने को कहा गया है।

Vacancy

ब्यूरो चीफ
डिप्टी ब्यूरो चीफ
रिपोर्टर

दिल्ली क्राइम प्रेस के राष्ट्रीय अखबार से जुड़कर बने अपने जिले के समाचार और विज्ञापन प्रभारी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें +91 83750 00984

नए नियम में अब साल में केवल मिलेंगे 15 गैस सिलेंडर, महीने का कोटा भी फिक्स

नई दिल्ली। घरेलू ईंधन यानि रसोई एलपीजी गैस सिलेंडर ग्राहकों को अब साल भर में केवल 15 सिलेंडर ही मिल पाएंगे इसकी संख्या तय हो गई है। नए नियम के मुताबिक, ग्राहक को एक साल में 15 सिलेंडर से ज्यादा नहीं दिए जाएंगे। इसके अलावा ग्राहक सिर्फ महीने में दो सिलेंडर ही ले सकेंगे। ग्राहकों को 2 से ज्यादा सिलेंडर नहीं मिलेंगे। अभी तक सिलेंडर पाने के लिए महीने या साल का कोई कोटा तय नहीं था। एक अखबार की खबर के मुताबिक, नए नियम के हिसाब से अब साल में सब्सिडी वाले 12 सिलेंडरों की संख्या 12 होगी। इसके ज्यादा अगर आप सिलेंडर खरीदते हैं तो उस पर सब्सिडी नहीं मिलेगी। बाकी के सिलेंडर ग्राहकों को बिना सब्सिडी के ही खरीदने होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, राशनिंग के लिए सॉफ्टवेयर में बदलाव किया गया है। ये नियम लागू किये जा चुके हैं।

खास बात यह है यह नए नियम इसलिए लागू किए गए हैं, क्योंकि काफी समय से शिकायत मिल रही थी कि घरेलू गैर सब्सिडी की रीफिल कॉमर्शियल से सस्ती होने की वजह से वहां इसका इस्तेमाल ज्यादा होने लगा था। जिसके कारण सिलेंडर पर राशनिंग की गई है। वहीं, 1 अक्टूबर से एलपीजी की कीमत बढ़ सकती है। 1 अक्टूबर को होने वाली कीमतों की समीक्षा में नेचुरल गैस के दाम बढ़ाए जा सकते हैं।

DELHI CRIME 30 sep 2022:Layout 1 9/29/2022 6:50 PM Page 2

सम्पादकीय

भारत जोड़ो यात्रा के बीच बिखराव की ओर कांग्रेस

राजस्थान में मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर छिड़ी आपसी लड़ाई के बीच राज्य में कांग्रेस के भविष्य के सामने एक बड़ा प्रश्नचिन्ह उपस्थित हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक विधायकों ने नेतृत्व पर राजनीतिक दबाव बनाने का जो खेल खेला है, उसका राजनीतिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाए तो यही प्रमाणित करता है कि यह अनुशासनहीनता की पराकाष्ठा है। इससे यह भी संदेश जा रहा है कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाने को लेकर जिस प्रकार से गहलोत समर्थक विधायकों ने अपने त्याग पत्र दिए हैं, उससे प्रथम दृष्टया यही लगता है कि ये विधायक कांग्रेस के कम गहलोत के ज्यादा हैं। विधायकों का यह नाटक निश्चित ही गहलोत के संकेत पर ही चल रहा होगा। इसके अलावा केन्द्र की ओर से भेजे गए दो पर्यवेक्षक भी राजस्थान में उत्पन्न हुए राजनीतिक संकट को दूर करने में असमर्थ ही रहे। हालांकि पार्टी अनुशासन को ध्यान में रखते हुए यही कहा जा सकता है कि किसी भी स्थिति में गहलोत समर्थक विधायकों को त्याग पत्र नहीं देना चाहिए था। जब संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष के समर्थक ही विवाद की स्थिति बनाने का प्रयास कर रहे हों, तब अन्य से क्या अपेक्षा की जा सकती है। इस विवाद की जड़ यही है कि गहलोत अपना मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं, कांग्रेस का नहीं। अगर कांग्रेस के हाथ में सत्ता रखना है तो फिर सचिन पायलट तो जन्मजात कांग्रेसी हैं। उनको सत्ता की बागडोर देने में कोई आपत्ति नहीं होना चाहिए। भारत में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी के नेतृत्व में एक तरफ भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में कांग्रेस में बिखराव की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। इसमें सबसे बड़ी बात यह है कि राजस्थान की लड़ाई के मुख्य सूत्रधार के रूप में जो नेता सामने आए हैं, उसी को कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने की कवायद की जा रही है। अशोक गहलोत समर्थक विधायकों का यह कदम कांग्रेस पार्टी में एक और बिखराब की घटना को जन्मित कर सकता है। सिद्धांत की बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के बाद कांग्रेस के सबसे प्रभावी नेता सचिन पायलट ही हैं, इसके आधार पर लोकतांत्रिक तरीका यही कहता है कि पायलट को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिलना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत का पूरा सोच लोकतांत्रिक न होकर पूर्वाग्रह से ग्रसित है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया है कि मैं किसी गद्दार के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छोड़ सकता। इतना ही नहीं इससे पूर्व अशोक गहलोत मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना ही नहीं चाह रहे थे, लेकिन जब राहुल गांधी ने एक पद, एक व्यक्ति के सिद्धांत को प्रतिपादित किया, तब अशोक गहलोत ने इस सिद्धांत को स्वीकार तो कर लिया, लेकिन उनकी नजर मुख्यमंत्री के पद से अलग नहीं हो पा रही है। वे अपने किसी समर्थक को ही मुख्यमंत्री बनाना चाह रहे हैं। हालांकि स्वतंत्र भारत में कांग्रेस के अंदर चौथी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने जा रहा है, लेकिन जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वह चुनाव के लिए अनुकूल वातावरण बनाने का काम करेंगे, इसमें संशय है। अभी से यह कहा जाने लगा है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जिसे चाहेंगे, वही कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगा। इस दृष्टि से राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव महज एक दिखावा ही कहा जाएगा, क्योंकि गांधी परिवार की दृष्टि में अध्यक्ष तय हो चुका है। यहां सवाल यह भी पैदा होता है कि जब अशोक गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे, तब क्या सचिन पायलट को कांग्रेस नेता के रूप में स्वीकार कर पाएंगे। अब राजस्थान में कांग्रेस के अंदर संभावित स्थिति यह बनती दिखाई दे रही है कि या तो सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे या फिर वे कांग्रेस को अलविदा कर सकते हैं।

करीब आ रहे आएसएस और मुसलमान...?

लेखक- मुस्ताअली बोहरा /ईएमएस

-क्या संघ करता है मुसलमानों पर भरोसा ?

-मुस्लिम प्रेम दिखावा या हकीकत

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया यानि पीएफआई के तकरीबन सैकड़ा भर ठिकानों पर छापे, हिजाब विवाद, भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद साहब पर की गई टिप्पणी, ज्ञानवापी मस्जिद मसले, गौ हत्या और मॉब लिचिंग, लव जिहाद, धर्मान्तरण, हिन्दु राष्ट्र की अवधारणा और उसके लिए माहौल तैयार करना, उत्तरप्रदेश में मदरसो के सर्वे, अन्य कुछेक मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग आदि मसलों के बीच आरएसएस चीफ मोहन भागवत की अखिल भारतीय इमाम संगठन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी से मुलाकात ने सियासी पारा चरम पर पहुंचा दिया है। चूंकि, अखिल भारतीय इमाम संगठन का कार्यालय मस्जिद परिसर में है लिहाजा दिल्ली की मस्जिद में आएसएस प्रमुख का पहुंचना अपने आप में ही बड़ी बात है। इमाम उमर इलियासी के पिता जमील इलियासी की मजार पर भी संघ प्रमुख पहुंचे, साथ ही इमाम के परिजनों से भी मुलाकात की। इसके बाद दिल्ली के ही आजाद मार्केट के एक मदरसे का दौरा किया और यहां बच्चों से मुलाकात की। इसके बाद उमर अहमद इलियासी ने मीडिया से बात करते हुए मोहन भागवत को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि बता दिया। अब, पूरे देश में इसके अलग-अलग सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। भागवत के मस्जिद और मदरसे पहुंचने के पीछे जितने मुंह उतनी बातें वाली बात चरितार्थ हो रही है। कुछेक का तर्क है कि आरएसएस यूनिफॉर्म सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून के लिए माहौल तैयार कर रहा है। कुछ का कहना है कि अगले लोकसभा चुनाव के पहले संघ, मुसलमानों की नाराजगी को कम करने की कोशिश कर रहा है। जानकारों का ये भी मानना है कि कोविड के बाद से पूरे देश का व्यापार प्रभावित हुआ और इसके बाद जब पूरी व्यवस्था पटरी पर वापस आने को तैयार है तो ऐसे में देश में साम्प्रदायिक विवाद से फिर विकास की गति धीमी हो सकती है। इसके अलावा भारत की छबि को भी अन्तराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंच सकता है। अब जब कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है तो ऐसे में जरूरी है कि देश के भीतर सुकुन का माहौल हो। भागवत से पहले संघ के पांचवें सरसंघचालक कुप्पाहली सीतारमया सुदर्शन भी इलियासी के परिजनों से मिलते रहे हैं लेकिन तब इतनी चर्चा नहीं हुई। भागवत इससे पहले भी मुस्लिम बुद्विजीवियों से मुलाकात कर चुके हैं। वे जम्मू कश्मीर के मुस्लिम नेताओं से मिलने वाले हैं। संघ प्रमुख के इमाम से मिलने और मदरसे के दौरे से किसी को कोई एतराज नहीं है। इलियासी ने भी यही कहा कि वो पहली दफा किसी मस्जिद में आए हैं। धर्म अलग हो सकते हैं, पूजा के तरीके और परम्पराएं अलग हो सकती है लेकिन सबसे बड़ा धर्म इंसानियत का है। हम सब भारतीय है और सभी मिलकर भारत को मजबूत करें। भागवत ने भी मदरसे के बच्चों से बात करते हुए यही कहा कि सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। इन दोनों ने जो कहा वो कोई नई बात नहीं है, बल्कि सवाल ये है कि पिछले कुछ सालों में देश की फिजा में जो जहर घुला उसके पीछे जिम्मेदार कौन है। जब तक राजनीति और धर्म अलग-अलग थे तब तक सब कुछ ठीक-ठाक था लेकिन जब से राजनीति और धर्म के बीच घालमेल हुआ तब से चीजों को देखने का नजरिया बदल गया है।

किसने.....क्या कहा - एआईएमआईएम प्रमुख असुददीन ओवैसी का कहना है कि आरएसएस की विचारधारा क्या है ये सब जानते हैं। आवैसी का कहना है कि मुस्लिम समाज का बड़ा तबका अपने हक के लिए लड़ता है तो वह बुरा हो जाता है, उस पर शक किया जाता है। उन्होंने इस मुलाकात को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का असर बताया। इसी तरह कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने कहा कि ये भारत जोड़ो यात्रा का ही असर है कि संघ प्रमुख इमामों से मिलने पहुंच गए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने तो भागवत को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हों। सबसे तीखी प्रतिक्रिया बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती की आई। मायावती ने कहा कि मस्जिद और मदरसे जाकर उलेमाओं से मिलने, फिर खुद को राष्ट्रपिता और राष्ट्रऋषि कहलवाने के बाद क्या भाजपा मस्जिद और मदरसों के प्रति अपने नकारात्मक रूख में बदलाव लाएगी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने निशाना साधते हुए कहा कि मोहन भागवत जी अब आप अखलाक और बिलकिस बानों के परिवार से भी मिलें। बिलकिस बानों को न्याय दिलाएं। बलात्कारियों का सम्मान करने वालों के खिलाफ बयान दें जहां जहां निर्दोष मुसलमानों को आपके कार्यकताओं ने सताया है उनसे माफी मांगें अन्यथा आपका मस्जिद-मदरसा जाना केवल दिखावा होगा।

यूपी की तर्ज पर अन्य राज्यों में हो सकता है मदरसों का सर्वे - देश की कुछे मस्जिदों और एतिहासिक इमारतों की खुदाई की मांग के बीच उत्तरप्रदेश सरकार ने मदरसों का सर्वे शुरू करा दिया है। यूपी सरकार का तर्क है कि वो मदरसे के छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा के आधुनिक तरीकों से जोड़ने की कवायद कर रही है। सर्वे में मदरसों की फंडिंग, पाठयक्रम, मदरसों का नियंत्रण, मदरसे चलाने वाली संस्था, फर्नीचर-पेयजल आदि की सुविधा, आमदनी का जरिया जैसे सवालों के जवाब देने होंगे। दूसरी तरफ, इस सर्वे का विरोध शुरू हो गया है। एआईएमआईएम के सांसद असददुनी ओवैसी और जमीयत उलेमा ए हिंद के मौलाना सैयद अरशद मदनी ने मदरसों के सर्वे पर सवाल उठाते हुए आरएसएस के संगठन विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों के सर्वे कराने की मांग भी की है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने भी सर्वे पर सवालिया निशान लगाए हैं। हालांकि, तमाम विरोधों के बावजूद भी मदरसों का सर्वे किया जा रहा है। यहां ये बताना लाजमी होगा कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सन 2017 में मदरसों के आधुनिकीकरण के तहत पोर्टल बनाकर उन्हें पंजीयन कराने की सुविधा दी थी। योगी सरकार ने मदरसों के सिलेबस में एनसीईआटी की किताबों को शामिल किया, यहां पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए लर्निंग एप भी लांच किया। इसके साथ ही मदरसों में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान और हिन्दी आदि विषयों को अनिवार्य रूप से शामिल करने का निर्णय लिया गया है। दरअसल, उत्तरप्रदेश और असम सहित कुछेक अन्य राज्यों में अवैध मदरसों के संचालन, यहां से कथित रूप से आतंकियों की गिरफतारी ने मदरसों के सर्वे की जरूरत को बल दिया। उत्तरप्रदेश की तर्ज पर ही अन्य राज्यों में मदरसों के सर्वे की कवायद शुरू हो जाए तो कोई हैरानी की बात नहीं होगी। मध्यप्रदेश में भी मदरसों के सर्वे की मांग उठती रही है।

हिन्दु राष्ट्र की अवधारणा - दिल्ली की मस्जिद और मदरसे में पहुंचने वाले ये वही मोहन भागवत है जिन्होंने सन 2015 में गाजियाबाद में स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए भारत को हिंदु राष्ट्र घोषित किए जाने की आवाज बुलंद की थी। उन्होंने ये भी कहा था कि देश में पैदा होने वाला हर व्यक्ति हिंदु है चाहे वो किसी भी संप्रदाय या जाति का हो। इसके अलावा अन्य मौकों पर वे घर वापसी मुहिम पर भी मुहर लगाते हुए कह चुके हैं कि पूर्वजों के बारे बताकर लोगों को वापस सनातनी बनाया जाए, हालांकि इसके लिए किसी तरह की जोर जबरदस्ती न करने की बात भी वे कह चुके हैं। दूसरी तरफ, मुसलमानों के एक तबके के मन में ये भी शंका है कि संघ और भाजपा दोनों ही टारगेट मिशन पर लगे हुए हैं और गैर हिन्दुओं को टारगेट किया जा रहा है। मुसलमानों का ये मानना है कि जो देशविरोधी गतिविधि में शामिल है उसके खिलाफ किसी कार्रवाई से गुरेज नहीं है लेकिन बेनुगाहों को परेशान न किया जाए।

क्या बदल गया संघ का नजरिया

भागवत के इस मुस्लिम मिलन से ये सवाल जहन में कौंधना जायज है कि क्या संघ का नजरिया मुसलमानों के प्रति बदल गया है। संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ शिक्षा वर्ग के तृतीय वर्ष के समापन समारोह में कहा था कि हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं देखना चाहिए। असल में, ज्ञानवापी मसले पर बोलते हुए उन्होंने कहा था कि इस्लाम बाहर से आया है आक्रामकों के साथ। ज्ञानवापी का अपना इतिहास है जिसको बदला नहीं जा सकता।

आज का कार्टून।

(पाँचवा दिवस) स्कन्दमाता

सिंहासनगता नित्यं पदमाश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।

माँ दुर्गा जी के पाँचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। ये भगवान स्कन्द ह्यकुमार कार्तिकेयह्न नाम से भी जाने जाते हैं। ये प्रसिद्ध देवासुर संग्राम में देवताओं के सेनापति थे। पुराणों में इन्हें कुमार और शक्ति धर कहकर इनकी महिमा का वर्णन किया गया है। इनका वाहन मयूर है। अतः इन्हें मयूरवाहन के नाम से भी अभिहित किया गया है। इन्हीं भगवान स्कन्द की माता होने के कारण माँ दुर्गा जी के इस पाँचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। इनकी उपासना नवरात्रि- पूजा के पाँचवें दिन की जाती है। इस दिन साधक का मन ह्यविशुद्धह्न चप्र में अवस्थित होता है। इनके विग्रह में भगवान स्कन्द जी बालरूप में इनकी गोद में बैठे होते है। स्कन्दमातृस्वरूपिणी देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाहिनी तरफ की ऊपर वाली भुजा से भगवान स्कन्दों

गोद में पकड़े हुए हैं और दाहिनी तरफ की नीचे वाली भुजा जो ऊपर की ओर उठी हुई हैं उसमें कमल-पुष्प है। बायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा वरमुद्रा में तथा नीचे वाली भुजा जो ऊपर की और उठी है उसमें भी कमल-पुष्प ली हुई हैं। इनका वर्ण पूर्णतः शुभ्र हैं। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसी कारण से इन्हें पदमासन देवी भी कहा जाता है। सिंह भी इनका वाहन हैं। नवरात्र पूज के पाँचवें दिन का शास्त्रों में पुष्कल महत्व बताया गया है। इस चप्र में अवस्थित मन वाले साधक की समस्त बाह्य प्रियाओं एवं चित्त-ावृत्तियों का लोप हो जाता है। वह विशुद्ध चैतन्य स्वरूप की ओर अग्रसर हो रहा होता है।

उसका मनसमस्त लौकिक, स-ांसारिक, मायिक बन्धनों को पूर्ण होकर पदमासना माँ स्कन्दमाता के स्वरूप में पूर्णतः तल्लीन होता है। इस समय साधक को पूर्ण सावधानी के साथ उपासना की ओर अग्रसर होना चाहिये। उसे अपनी समस्त ध्यान-वृत्तियों को एकाग्र रखते हुए साधना के पथ पर आगे बढ़ना चाहिये। माँ स्कन्दमाता की उपासना से भक्त की समस्त इच्छाएँ पूर्ण हो जाती हैं। इस मृत्यु लोक में ही उसे परम शान्ति और सुख का अनुभव हो ने लगता है। उसके लिये मोक्ष का द्वार स्वयमेव सुलभ हो जाता है। स्कन्दमाता की उपासना से बालरूप स्कन्द भगवान की उपासना भी स्वयमेव हो जाती है। यह विशेषता केवल इन्हीं को प्राप्त है, अतः साधक को स्कन्दमाता की उपासना की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। सूर्य मण्डल की अधिष्ठत्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज एवं कानित से संपन्न हो जाता है।

एक अलौकिक प्रभामंडल अदृश्य भाव से सदैव उसके चतु-र्दिक परिव्याप्त रहता है। यह प्रभामंडल प्रतिक्षण उसके योग क्षेम का निर्वहन करता रहता है। अतः हमें एकाग्रता से मन को पवित्र रखकर माँ की शरण में आने का प्रयत्न करना चाहिये। इस घोर भवसागर के दुःखों से मुक्ति पाकर मोक्ष का मार्ग सुलभ बनाने का इससे उत्तम उपाय दूसरा नहीं है।

दिव्यता की विविधता

ईश्वर ने दुनिया की छोटी-छोटी खुशियां तो तुम्हें दे दी हैं, लेकिन सच्चा आनन्द अपने पास रख लिया है। उस परम आनन्द को पाने के लिए तुम्हें उनके ही पास जाना होगा। ईश्वर को पाने की चेष्टा में निष्कपट रहो। एक बार परम आनन्द मिल जाने पर सब-कुछ आनन्दमय है। परमानन्द के बिना संसार की खुशियां अस्थाई हैं। तुमने ईश्वर को सदैव पिता के रूप में देखा है परंतु क्या तुम ईश्वर को एक शिशु के रूप में देख सकते हो? जब तुम ईश्वर को शिशु के रूप में देखते हो तो तुम्हारी कोई मांग नहीं होती। ईश्वर तो तुम्हारे अस्तित्व का अन्तःकरण है। ईश्वर तुम्हारा शिशु है। वे तुमसे बच्चे की तरह चिपककर रहते हैं जब तक तुम वृद्ध होकर मर नहीं जाते। संसार में उनके पोषण के लिए उन्हें तुम्हारी आवश्यकता है। साधना, सत्संग और सेवा ईश्वर के पोषक आहार हैं। ईश्वर अनेक क्यों नहीं हो सकते? यदि ईश्वर ने मनुष्य को अपनी ही छवि के अनुसार बनाया है, तो उनकी छवि क्या है? अफ्रीकी, मंगोलियन, कॉकेसियन, जापानी या फिलिपिनो? मनुष्य इतने प्रकार के क्यों हैं, वृक्ष सिर्फ एक प्रकार का नहीं होता। सांप, बादल, मच्छर या सब्जी सिर्फ एक प्रकार के नहीं। तो फिर केवल ईश्वर को ही एक क्यों होना चाहिए? जिस चेतना ने इस सम्पूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो विविधता प्रेमी है, वह नीरस कैसे हो सकती है? ईश्वर को विविधता पसंद है, तो वे भी अवश्य ही वैविध्यपूर्ण होंगे। ईश्वर अनेक नाम, रूप और प्रकार से अभिव्यक्त होते हैं। कुछ विचार-धारा के व्यक्ति ईश्वर को उनके विभिन्न रूपों में प्रकट होने की स्वतंत्रता नहीं देते। वे उन्हें एक ही रूप में चाहते हैं। अवसर के अनुसार जब तुम अपना रूप बदलते हो तो फिर कैसे सोच सकते हो कि चेतना में कोई विविधता न हो? हमारे पूर्वज इस बात को समझते थे इसीलिए, उन्होंने दिव्यता के अनन्त गुणों व रूपों का ज्ञान कराया। चेतना नीरस और उबाऊ नहीं है। जो चेतना इस सृष्टि का आधार है, वह गतिमान और परिवर्तनशील है। ईश्वर एक ही नहीं, अनेक हैं। जब तुम दिव्यता की विविधता को स्वीकार करते हो, तब कट्टर और रूढ़िवादी नहीं रह जाते।

दुनिया में भारतीय टीकों की बादशाहत

लेखक- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (ईएमएस)

देश में जहां आपात स्थिति में कोविड इंट्रा नेजल टीके को मान्यता मिल गई है तो दूसरी और देश में 200 करोड़ टीकाकरण का महत्वाकांक्षी आंकड़ा छू लिया गया है। इस सबके बीच यह जानकारी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है कि दुनिया के देशों में उपलब्ध होने वाले विभिन्न प्रकार के रोगनिरोधक टीकों में हमारी बादशाहत कायम है। दुनिया के देशों को उपलब्ध कराये जा रहे रोगनिरोधी टीकों में हमारे देश की भागीदारी 60 प्रतिशत से भी अधिक है। यानी दुनिया के देशों में लगाए जाने वाले रोग निरोधक टीके विकसित करने, तैयार करने और दुनिया के देशों को उपलब्ध कराने का लोहा दुनिया मानती है। कोरोना महामारी के दौर में एक साथ दो वैक्सीन के उपयोग के लिए अनुमति देने वाला भारत दुनिया का पहला देश रहा है। कल तक अमेरिका, रूस व अन्य देशों की ओर वैक्सीन की आस लगाए दुनिया के देशों को सबसे अधिक विश्वास भारतीय वैक्सीन पर ही रहा। यही कारण है कि दुनिया के अनेक देश जल्द से जल्द भारतीय वैक्सीन की सप्लाई शुरू करने का दबाव बनाते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने भारतीय कोविड वैक्सीन को आपात उपयोग की अनुमति की सराहना की। कोरोना काल में भारतीय वैज्ञानिकों ने एक बार फिर दुनिया के देशों को दिखा दिया कि स्वास्थ्य अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीय वैज्ञानिक दुनिया के देशों में किसी से भी कम नहीं हैं। बल्कि यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि दुनिया के देशों से कहीं अधिक आगे भारतीय वैज्ञानिक और चिकित्सा जगत रहा है। दरअसल हम भूल जाते हैं कि दुनिया के देशों में आज भी भारतीय टीकों का डंका बजता है। हम भूल जाते हैं कि दुनिया के विकसित देशों से लेकर विकासशील और अविकसित देशों में भारतीय वैक्सीन ही नहीं बल्कि दवाओं तक का जादू चलता है। इसे क्या कहा जाए कि आज भी हम अपने देश में अपनी जेनेरिक दवाओं को वो स्थान नहीं दिला पाए जो दुनिया के देशों में भारत द्वारा निर्मित जेनेरिक दवाओं को मिली हुई है। बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि अमेरिका और यूरोपीय देशों सहित दुनिया के देशों में जेनेरिक दवाओं की कुल मांग की 20 फीसदी से भी अधिक आपूर्ति भारतीय जेनेरिक दवा निर्यातक कंपनियां कर रही है। इस पर देश को गर्व होना चाहिए कि दुनिया के 60 फीसदी बच्चों को लगने वाली वैक्सीन भारत और वह भी भारत की सीरम वैक्सीन है। पिछले दिनों एक समारोह में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़े गर्व के साथ कहा है कि दुनिया के देशों की जरूरत के टीकों में 60 फीसदी की आपूर्ति भारत कर रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया के करीब 170 देशों में डेढ़ अरब टीकों की खुराक हमारा सीरम इंस्टीट्यूट ही कर रहा है। यह सब इसलिए है कि हमारे टीकों को न केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन से मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय माना जाता है अपितु दुनिया के देशों में इन टीकों की गुणवत्ता पर पूरा भरोसा है। याद कीजिए कोरोना के शुरूआती दौर में अमेरिका सहित दुनिया के देशों ने किस तरह से हमारे देश द्वारा निर्मित और मलेरिया के लिए अतिविश्वसनीय दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन को उपलब्ध कराने का दबाव बनाया और फिर भारत द्वारा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन दवा अमेरिका को उपलब्ध कराने के कारण आलोचना का शिकार भी होना पड़ा। आलोचना-समालोचना अलग बात है पर इसका गर्व होना चाहिए कि अमेरिका जैसे देश को कोरोना हालातों में हमारी हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन पर विश्वास जताना पड़ा। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं सर्वमान्य तथ्य है कि आज दुनिया के देशों में बच्चों के जितने प्रकार के टीके लगाए जाते हैं उनमें भारत द्वारा निर्मित टीकों का ही सर्वाधिक बोलबाला है। एक जमाने में टिटनस जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने के लिए टीका तैयार कर सामने आई पूना की सीरम इंस्टीट्यूट ने पोलियो जैसी बीमारी से निजात दिलाने के लए दो बूंद के नाम से ख्यातनाम पोलियो की पीने की खुराक तक बनाकर दुनिया के देशों को बता दिया कि अनुसंधान के क्षेत्र में हम दुनिया के देशों से दो कदम आगे ही हैं। सीरम ने सांप काटने के इलाज के लिए एंटीडोट्स का इजाद किया। कोविशील्ड के पहले पोलियो वैक्सीन के साथ ही डिप्थिरिया, पट्र्युसिस, एचआईबी, बीसीजी, आर-हेपेटाइटस बी, खसरा, मम्स, रुबेला जैसे टीकों का निर्माण और निर्यात हो रहा है। 1967 में टिटनस का टीके के उत्पादन से आरंभ इस कंपनी ने 2004 में दुनिया का पहला तरल एचडीसी रैबिज तरल टीका उतारा तो स्वाइन फ्लू का टीका भी उतारा जा चुका है। आज दुनिया के देशों के बच्चों के जो जीवनदायी टीके लगाए जा रहे हैं उनमें 60 फीसदी भागीदारी हमारे टीकों की है। यह हमारी गुणवत्ता और विश्वसनीयता की पहचान है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि कोरोना के विश्वव्यापी संकट के दौर में हमारे स्वदेशी टीकों की ओर दुनिया के देश टकटकी लगाए रहे। हमारे वैज्ञानिकों के प्रयास से ही कोविशील्ड और कोवैक्सीन का डंका भी दुनिया के देशों में बजता रहा। यहां एक बात और गंभीरता से समझनी होगी आपातकाल में हम अधिक बेहतर परिणाम देते हैं।

प्रसंगतः व्यर्थ का परिश्रम

एक प्राचीन प्रेरक कथा है। एक बार एक संत समुद्र किनारे टहल रहे थे। तभी अचानक जोर का तूफान आया। तूफान के प्रभाव से ऊंची ऊँची समुद्र की लहरें उठने लगीं। उन लहरों के साथ सैकड़ों मछलियां बाहर आकर गिरने लगीं। जल से बाहर हो जाने के कारण मछलियां तड़पने लगीं। स्वाभाविक दयालुता के कारण संत उन मछलियों को उठा उठाकर वापस समुद्र में फेंकने लगे। लेकिन मछलियों की संख्या सैंकड़ों में थी। जिस कारण वे सबको वापस नहीं फेक सकते थे। तब भी वे अपने प्रयास में लगे रहे। वहां से गुजरने वाले एक व्यक्ति ने उन्हें देखकर कहा, "आप व्यर्थ का परिश्रम कर रहे हैं। आप सारी मछलियों को वापस नहीं फेंक सकते। फ्रि यह तो रोज का काम है। आपके इस परिश्रम से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।" संत ने एक तड़पती मछली को उठाकर वापस समुद्र में फेंकते हुए कहा, "इसे तो फर्क पड़ेगा न। मेरे परिश्रम से इसका तो जीवन बच जाएगा यही बहुत है।" अगर हमारे प्रयास से किसी एक का भी भला हो सके तो हमें जरूर प्रयास करना चाहिए।

अच्छे स्वास्थ्य व प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण के लिए मोटा अनाज उगाएं किसान : कुलपति कम्बोज

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा है कि भावी पीढ़ियों के बेहतर स्वास्थ्य तथा प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रूप से संरक्षित करने के लिए वर्तमान कृषि स्वरूप व खेती की पद्धतियों में मौसम और प्रकृति के अनुकूल व्यापक बदलाव करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा किया जाना समय की मांग भी है। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज गुरुवार को विश्वविद्यालय के सस्यविज्ञान विभाग के माइनर मिल्लेटस (मोटा अनाज) आधारित प्रदर्शनी प्लाटों व शोध क्षेत्र का अवलोकन करने के दौरान उपस्थित जनों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से जहां एक ओर हमारी प्रकृति व वातावरण में असामान्य बदलाव दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर लगातार कृषि रसायनों व खादों के प्रयोग से हमारे खाद्यान्न जहर युक्त होते जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि हर आयु के व्यक्तियों और पशुओं में तरह-तरह की भयानक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं जो कि इस धरती पर मानव जीवन के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से बचने के लिए वर्तमान फसल चक्रों में बदलाव करके नए फसल विविधिकरण के लिए हमारी परम्परागत प्राचीन मोटे व छोटे अनाज वाली फसलों जैसे ज्वार, बाजरा, रागी, कंगनी, सावंक, छोटी कंगनी, कुटकी आदि को पुनः अपनाना होगा। जहां एक ओर ये छोटे व मोटे अनाज वाली फसलें कम पानी व थोड़े दिन में तैयार हो जाती हैं वहीं दूसरी तरफ ये कीटाणु रोधी होने के साथ साथ पोषक तत्वों में भी भरपूर होती हैं। प्रो. कम्बोज ने कहा वैश्विक स्तर पर इन मिल्लेट्स फसलों के महत्व व भविष्य को देखते हुए भारत सरकार के निवेदन पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने आगामी वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिल्लेट वर्ष घोषित किया है जो कि आम आदमी को इन मोटे तथा छोटे अनाज वाली फसलों (मिल्लेट्स) के प्रति प्रेरित करने में कारगर साबित होगा। उन्होंने वैज्ञानिकों से विभिन्न प्रकार के माइनर मिलेट्स की संभावित सस्य क्रियाओं व इनके प्रसंस्करण के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा इस विषय पर अधिक से अधिक शोध करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व सस्य वैज्ञानिक डॉ. एके ढाका ने कहा कि अधिकतर मिल्लेट्स पानी की कमी व शुष्क क्षेत्रों में उच्च तापमान की अवस्था में आसानी से उगाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रागी (फिंगर मिल्लेट) कैल्शियम व पोटेशियम का सबसे बेहतरीन स्त्रोत हैं वहीं चेन्ना (प्रोसो मिल्लेट) और कुटकी (लिटिल मिल्लेट) विटामिन बी-6, फास्फोरस, फाइबर तथा एमिनो एसिड से भरपूर होते हैं। कंगनी (फॉक्सटेल मिल्लेट) हमारी प्राचीन फसलों में से एक है तथा इसमें बीटा केरोटिन, विटामिन और खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह विशेष तौर पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए लाभप्रद है। कोडो मिल्लेट औषधीय गुणों से भरपूर है और यह कफ और पित्त दोष को शांत करता है तथा इसमें बैक्टीरिया व जलन रोधी गुण होने के कारण लाभप्रद है। इसको खून शोधक व तंत्रिका तंत्र को मजबूत रखने हेतु भी प्रयोग में लिया जाता है। इनके अतिरिक्त सावंक व हरी कंगनी भी पौष्टिक के साथ औषधीय गुणों से भरपूर हैं।

पेज 1 का शेष भाग

प्रधानमंत्री ने गुजरात को दी 3400 करोड़ रुपये ...

होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सूरत को हवाई अड्डे से जोड़ने वाली सड़क शहर की संस्कृति, समृद्धि और आधुनिकता को दशार्ती है। लेकिन यहां अनेक साथी ऐसे हैं जिन्होंने हवाई अड्डे के लिए भी हमारे लंबे संघर्ष को देखा है, उसका हिस्सा भी रहे हैं। तब जो दिल्ली में सरकार थी, हम उनको बताते-बताते थक गए कि सूरत को हवाई अड्डे की जरूरत क्यों है, इस शहर का सामर्थ्य क्या है। आज देखिए, कितनी ही फ्लाइट्स यहां से चलती हैं, कितने लोग हर रोज यहां हवाई अड्डे पर उतरते हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों से विकास के जिस पथ पर सूरत चल पड़ा है, वो आने वाले सालों में और तेज होने वाला है। यही विकास आज डबल इंजन सरकार पर विश्वास के रूप में झलकता है। जब विश्वास बढ़ता है, तो प्रयास बढ़ता है। और सबका प्रयास से राष्ट्र के विकास की गति तेज होती है। प्रधानमंत्री ने आज गुजरात को जिन परियोजनाओं की सौगात दी है उनमें जल आपूर्ति, जल निकासी परियोजनाओं, ड्रीम सिटी, जैव विविधता पार्क और अन्य विकास कार्यों जैसे सार्वजनिक बुनियादी सुविधाएं, विरासत सुरक्षा, सिटी बस व बीआरटीएस बुनियादी सुविधाएं, इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त विकास कार्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने सड़क परियोजना के पहले चरण के कार्यों और डायमंड रिसर्च एंड मर्केंटाइल (ड्रीम) सिटी के मुख्य प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया। ड्रीम सिटी परियोजना को सूरत में हीरा कारोबार के तेजी से विकास को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्यिक और आवासीय स्थान की बढ़ती मांग को पूरा करने के दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने डॉ. हेडगेवार ब्रिज से भीमराड-बमरोली ब्रिज तक 87 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में बन रहे बायोडायवर्सिटी पार्क की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री सूरत के विज्ञान केंद्र में खोज संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। बच्चों के लिए निर्मित संग्रहालय में इंटरेक्टिव डिस्प्ले, प्रश्नोत्तरी-आधारित गतिविधियां और जिज्ञासा-आधारित क्रियाकलाप होंगे।

मूसेवाला के हत्यारोपी के अवैध रूप से बने मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया

भिवानी, (हि.स.)। यूपी के बाद अब हरियाणा पुलिस ने भी गैंगस्टर की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाना शुरू कर दिया है। सिद्धू मुसेवाला हत्याकांड के आरोपित व मकोका को लेकर तिहाड़ जेल में बंद लोरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे मिंटू उर्फ बिंटू मडोसिया के अवैध रूप से बनाए गए मकान को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। राजस्थान से सटे भिवानी के बहल थाना क्षेत्र के मडोसिया गांव में बुधवार को भारी पुलिस बल यहां गैंगस्टर मिंटू उर्फ बिंटू मडोसिया के मकान को जमींदोज करने आए। हत्यारोपी मिंटू फिलहाल सिद्धू मुसेवाला हत्याकांड के साथ मकोका को लेकर दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। उसने अपने गांव में पंचायत की 7 कनाल जमीन पर अवैध कब्जा कर चारदीवारी की और मकान बनाया हुआ था। पुलिस ने सारे सबूत जुटाए और डीएसपी जगत सिंह मोर के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तीन जेसीबी लेकर पहुंचे। देखते ही देखते गैंगस्टर बिंटू मडोसिया के मकान को ध्वस्त कर दिया गया। डीएसपी जगत सिंह मोर ने बताया कि गैंगस्टर बिंटू मकोका व सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में तिहाड़ जेल में बंद है। जिस पर हत्या, लूट, अपहरण जैसे 20 संगीन मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि ये मकान अपराधियों का ठिकाना था।

जिसमें अंदर जाने का केवल एक रास्ता व भागने के कई रास्ते बने हुये थे। दीवारों पर कंटीले तार व सीसीटीवी लगाए गए थे। ताकि बाहर की हर गतिविधि पर अंदर बैठे या बाहर कहीं से भी निगरानी रखी जा सके। डीएसपी जगत सिंह मोर ने बताया कि जिले में हर छोटे-बड़े अपराधियों की अवैध संपत्तियों की पहचान की जा रही है। पहचान के बाद हर अपराधी की ऐसी अवैध संपत्ति को लेकर कार्रवाई की जाएगी।

भारी बारिश से फसलों व मकानों को हुए नुकसान को लेकर उपायुक्त से मिला इनेलो प्रतिनिधिमंडल

फतेहाबाद, (हि.स.)। जिले में पिछले दिनों हुई भारी बारिश के बाद खराब हुई फसलों व मकानों को हुए नुकसान के मामले को लेकर इनेलो का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को जिला प्रधान बलविन्द्र कैरों के नेतृत्व में उपायुक्त से मिलने पहुंचा। इनेलो नेताओं ने उपायुक्त की गैरमौजूदगी में नगराधीश से मुलाकात की और बारिश से प्रभावित लोगों को शीघ्र राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और विशेष राहत पैकेज की मांग की। इनेलो नेताओं ने कहा कि पिछले दिनों हुई भारी बारिश ने जिले में भारी तबाही मचाई है। खासकर भूना क्षेत्र में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद जहां पूरा भूना शहर पानी में डूब गया, वहीं खेतों में खड़ी किसानों की फसलें भी पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। भूना में भारी जलभराव के कारण लोगों के मकानों और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। ऐसे में इन लोगों और किसानों को तुरंत आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। इनेलो ने ज्ञापन में मांग की है कि जिले में भारी बारिश से खराब हुई फसलों की विशेष गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को पूरा मुआवजा दिया जाए, वहीं भूना कस्बे के लोगों के पुनर्वास के लिए स्पेशल पैकेज की घोषणा करके प्रभावित लोगों की तुरंत सहायता की जाए।

महंगे शौक पूरे करने व कर्जा उतारने के लिए चाचा से ठगी करने वाला आरोपित भतीजा गिरफ्तार

भिवानी, (हि.स.)। भिवानी में साइबर क्राइम का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक भतीजे ने अपने ही चाचा को धोखाधड़ी से लूट लिया। मामला भिवानी के बैंक कॉलोनी का है, जहां अशोक शर्मा को उसी के भतीजे ने नेट बैंकिंग के माध्यम से चार लाख 51 हजार रुपये की चपत लगा डाली। पीड़ित अशोक ने धोखाधड़ी की सूचना साइबर क्राइम थाना में दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित भतीजा नरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार आरोपित नरेंद्र बीटेक का छात्र है और चंडीगढ़ में अपने साथियों के साथ एक फ्लैट में रहता है। महंगे शौक होने के कारण वह कर्ज में डूबा हुआ है। पुलिस पूछताछ में आरोपित ने कर्जा उतारने के मकसद से वारदात को अंजाम देने की बात भी कबूली है। भिवानी के साइबर थाना प्रबंधक ने बताया कि बैंक कॉलोनी निवासी अशोक शर्मा ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके खाते से चार लाख 51 हजार रुपये निकल गए हैं। जिस मामले में जांच के दौरान पता लगा कि अशोक के खाते से नरेंद्र नामक व्यक्ति के खाते में रुपये ट्रांसफर हुए।

छात्रों ने शहर के अंदर से बसों को गुजारे जाने की मांग की

जींद, (हि.स.)। शहर के अंदर से रोडवेज बसों को गुजारे जाने की मांग को लेकर गुरुवार सुबह छात्रों ने गांव पांडू पिंडारा स्थित नए बस अड्डा के गेट पर ताला लगा दिया और रोडवेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। छात्रों का कहना था कि बसों के शहर के अंदर से ना गुजारे जाने के चलते उन पर किराए की दोहरी मार पड़ रही है। छात्रों ने कहा कि वह ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और उनके शिक्षण-संस्थान शहर के अंदर गोहाना रोड पर हैं। इसके अलावा जितने भी कोचिंग सेंटर हैं वह भी शहर में ही स्थित हैं। रोडवेज बसें शहर के अंदर से नहीं जा रही हैं जिसके चलते वह बस अड्डे पर उतर जाते हैं और उन्हें 20 रुपये किराया देकर ऑटो से अपने शिक्षण संस्थानों की तरफ जाना पड़ता है। इसके चलते उन्हें किराए की दोहरी मार पड़ रही है। छात्रों ने मांग की कि सभी बसों को शहर के अंदर से गुजारा जाए ताकि उन्हें ऑटो का अतिरिक्त किराया ना देना पड़े। छात्रों के लामबंद होने की सूचना मिलने पर डीएसपी रोहतास पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और छात्रों की डिपो के महाप्रबंधक अशोक कौशिक से बातचीत करवाई। रोडवेज महाप्रबंधक द्वारा अनाउंसमेंट किया गया कि अब सभी बसें शहर के अंदर से गुजारी जाएंगी, जिस पर छात्र शांत हुए। लगभग डेढ़ घंटे तक बसों का परिचालन बंद रहा। बाद में छात्रों को सिटी बसों के सहारे उनके शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाया गया।

हिजरावां कलां का राजकीय विद्यालय हुआ अपग्रेड, मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री का जताया आभार

फतेहाबाद, (हि.स.)। गांव हिजरावां कलां के राजकीय माध्यमिक विद्यालय को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अपग्रेड कर 12वीं तक कर दिया गया है। स्कूल को अपग्रेड करवाने की मंजूरी देने पर रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री कंवर पाल से मिलकर उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय से हिजरावां कलां के राजकीय माध्यमिक विद्यालय को अपग्रेड करने के लिए हिजरावां कलां व खुर्द सहित आसपास की ढाणियों व गांव के नागरिकों की मांग थी। उन्होंने बताया कि स्कूल को अपग्रेड करवाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री कंवर पाल से आग्रह किया। शिक्षा मंत्री तथा प्रदेश सरकार ने रतिया हलके के लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए हिजरावां कलां के स्कूल को अपग्रेड करने में तत्परता से कार्य किया। इसके लिए वे तथा रतिया क्षेत्र की जनता सरकार व शिक्षा मंत्री का धन्यवाद करते हैं। इसके साथ ही विधायक ने गांव हिजरावां कलां के ग्रामवासियों की स्कूल अपग्रेडशन की मांग पूरी होने पर सभी ग्रामवासियों व बच्चों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि अब गांव हिजरावा कलां के बच्चों को 12वीं तक की पढ़ाई के लिए गांव से दूर नहीं जाना पड़ेगा व गांव में ही रहकर बच्चे पढ़ाई कर पाएंगे।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लाभ के लिए विवाह का पंजीकरण होना अनिवार्य

फतेहाबाद, (हि.स.)। मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत आवेदक को सरल पोर्टल की जगह 'शादी डॉट ईदिशा डॉट जीओवी डॉट इन' पर विवाह पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण के बाद ही उन्हें इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त जगदीश शर्मा ने बताया कि विवाह के बाद अब लाभार्थी को छह माह की अवधि में विवाह पंजीकरण करवाना होगा, उसके बाद ही मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन मान्य होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के अंतर्गत पहले आवेदक शादी होने से एक माह पहले व शादी होने के तीन माह के अंदर आवेदन कर सकते थे, परन्तु अब विभाग ने आवेदक को शादी के बाद तीन माह की बजाय छह माह तक आवेदन करने का समय दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब विवाह पंजीकरण के बाद ही इस योजना के तहत लाभार्थी आवेदन कर सकेंगे। बिना विवाह पंजीकरण के आवेदन करने वालों को योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। पूर्व में विवाह पंजीकरण जमा करवाने से पहले एक किश्त और विवाह पंजीकरण के बाद दूसरी किश्त मिलती थी, लेकिन अब दोनों किश्त एकमुश्त कर दी गई हैं जो अब विवाह पंजीकरण के बाद दी जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि पहले आवेदन सरल पोर्टल पर योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करते थे, परन्तु विभाग ने अब सरल पोर्टल के स्थान पर नये पोर्टल पर आवेदन लेने शुरू किए हैं। आवेदक को शादी डॉट ईदिशा डॉट जीओवी डॉट इन पर विवाह पंजीकरण के बाद आवेदन करना होगा।

डांडिया जैसी लोक संस्कृति को सहेजने की जरूरत : उमा सुधा

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। नगर परिषद की निवर्तमान अध्यक्ष उमा सुधा ने कहा कि डांडिया जैसी लोक संस्कृति को सहेजने की जरूरत है। इस प्रकार की लोक संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ही इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस धर्म क्षेत्र कुरुक्षेत्र में समाजसेवी एवं लोक संस्कृति की प्रेमी दिव्यानी गोयल जैसे लोगों द्वारा लगातार संस्कृति को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों की जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है। अध्यक्ष उमा सुधा देर रात रेलवे रोड स्थित एक निजी होटल पर्ल मार्क में समाजसेवी दिव्यानी गोयल द्वारा आयोजित बॉलीवुड डांडिया कार्यक्रम में बोल रही थीं। इससे पहले उन्होंने डांडिया खेल का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। उमा सुधा ने नवरात्रों के पावन अवसर पर आयोजित बॉलीवुड डांडिया कार्यक्रम की बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से जहां समाज में भाईचारे की भावना पैदा होती है, वहीं एक-दुसरे से मिलकर एक परम्परागत खुशी का एहसास भी होता है। इस शहर में हरियाणा ही नहीं आसपास के राज्यों की लोक संस्कृति को सहेजने के लिए महिलाओं द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों के कारण ही युवा पीढ़ी को लोक संस्कृति से आत्मसात होने का एक अवसर मिलता है।

भीवां बस्ती में पिता-पुत्र पर तलवार से हमला, एक युवक को लोगों ने पकड़ा

फतेहाबाद, (हि.स.)। भीवां बस्ती में पानी वाली टंकी के समीप बीती रात कुछ हथियारबंद युवकों ने पिता-पुत्र पर तलवार से हमला कर घायल कर दिया। इस घटना से बाजार में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों ने मौके से एक युवक को धर दबोचा, जबकि उसके साथी मौके से भागने में कामयाब रहे। घायल पिता-पुत्र को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने आरोपित युवक को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में भीवां बस्ती फतेहाबाद निवासी निखिल ने बताया है कि गत रात्रि वह बांके बिहारी मंदिर वाली गली में एक दुकान से कुछ सामान लेने जा रहा था। उसी समय गली में सामने से बीघड़ रोड निवासी जतिन जग्गा अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर आया। इन सबके हाथों में तलवार थी।

लुधियाना (मुकेश गुप्ता) : बसंत बिहार नूरवाला रोड पर दशहरा पर्व पर स्कूली बच्चों द्वारा तैयार किए गए रावण के पुतले के साथ हर्षित, पारुल, मुंजल, नमन, माणिक, चिराग, सोनू, राजन, नितिन, कृष, विशेष व अन्य!

DELHI CRIME 30 sep 2022:Layout 1 9/29/2022 6:50 PM Page 4

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को बढ़ाने की ब्लिंकन ने की पहल

-वैश्विक संगठन को और अधिक समावेशी बनाया जाए: एंटनी ब्लिंकन
-संयुक्त राष्ट्र में सुधार विशेष रूप से एक वाजिब मुद्दा: एस जयशंकर

वाशिंगटन, (हि.स.)। भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को समावेशी बनाने और सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया है। भारत भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में लंबे समय से लंबित सुधारों के साथ ही सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने के लिए अपनी दावेदारी रखता है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सुरक्षा परिषद के स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की जरूरत बताई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और अपने अमेरिकी समकक्ष ब्लिंकन के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में इन मुद्दों को रखा। ब्लिंकन ने कहा कि हमारा मानना है कि जिन चुनौतियों का हम सामना कर रहे हैं, उनसे निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को न केवल उसके चार्टर का पालन करना चाहिए, बल्कि सुरक्षा परिषद को और अधिक समावेशी बनाने सहित संस्थान का आधुनिकीकरण भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महासभा में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी सुरक्षा परिषद के स्थायी व अस्थायी दोनों प्रतिनिधियों की संख्या बढ़ाने के कदम का समर्थन किया था, जिसकी भारत लंबे समय से मांग कर रहा है। ब्लिंकन ने कहा कि इसमें उन देशों को स्थायी सदस्यता देना शामिल हैं, जिनका हमने लंबे समय से समर्थन किया है। हम अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरिबियाई देशों को स्थायी सदस्य बनाए जाने का भी समर्थन करते हैं। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार विशेष रूप से एक वाजिब मुद्दा है। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर अमेरिका के सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हैं, जो खुद राष्ट्रपति बाइडन के विचारों में परिलक्षित होता है। हम इसे और आगे ले जाने के वास्ते अमेरिका के साथ काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

दुनियाभर में फैले विरोधियों पर चीन के नजर रखने पर मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

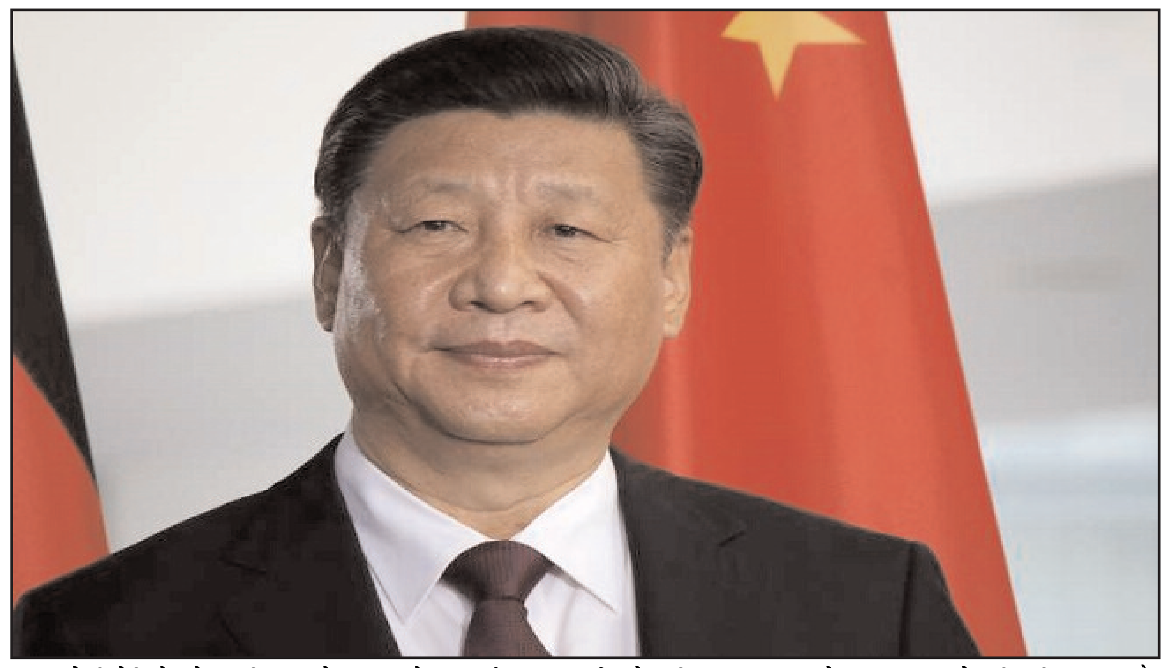

बीजिंग, (हि.स.)। विदेशों में रहने वाले चीनी नागरिकों की सहायता के नाम पर चीन सरकार के अवैध केंद्र स्थापित करने पर मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई है। मानवाधिकार संगठनों का मानना है कि चीन इसकी आड़ में अपने विरोधियों की निगरानी के साथ ही चीनी नागरिकों का उत्पीड़न कर सकता है। इनमें कनाडा और आयरलैंड जैसे विकसित देश शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा में फूजौ पब्लिक सेक्यूरिटी ब्यूरो (पीएसबी) से जुड़े ऐसे कई अनौपचारिक सर्विस स्टेशन स्थापित हैं। इनमें तीन ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में हैं। खुफिया जर्नलिज्म रिपोर्टिका के अनुसार, इन अवैध केंद्रों के जरिये वह कुछ चुनिंदा देशों में चुनावों को भी प्रभावित करता है। फूजौ पुलिस का कहना है कि ऐसे 30 स्टेशन 21 देशों में खोले गए हैं। यूक्रेन, फ्रांस, स्पेन, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देशों में चीनी केंद्रों के लिए ऐसी व्यवस्था है और इनमें से अधिकांश देशों के नेता सार्वजनिक मंचों पर चीन के खराब मानवाधिकार रिकार्ड पर सवाल उठाते हैं और खुद उस मुद्दे का हिस्सा हैं। मानवाधिकार कार्यकताओं का कहना है कि कम्युनिस्ट पार्टी सुरक्षा के नाम पर अपने विरोधियों को प्रताड़ित करने का काम करती है। अगर किसी विदेशी चीनी नागरिक पर शक होता है तो चीन में उसके परिवार को परेशान किया जाता है। चीन सरकार इन अवैध केंद्रों के जरिये निगरानी करती है। संदिग्ध गतिविधि वाले नागरिकों को बलपूर्वक वापस चीन भेज दिया जाता है। ऐसे लोगों को नजरबंदी शिविरों में रखा जाता है। इस संबंध में इस पर चीन सरकार का कहना है कि वह इन शिविरों में उन्हें व्यावसायिक कौशल को निखारता है। यह उनकी कट्टरपंथी सोच पर नकेल कसकर उनमें सकारात्मक सोच विकसित करना है। चीनी अधिकारी ने 2019 में कहा था कि इन शिविरों में ज्यादातर प्रशिक्षु स्नातक थे। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार मामलों की उच्चायुक्त मिशेल बचलेट ने हाल में इन केंद्रों का दौरा भी किया था।

बंदूकधारियों ने चीनी नागरिकों पर की फायरिंग, एक की मौत व दो अन्य घायल

कराची, (हि.स)। पाकिस्तान में एक बार फिर चीनी नागरिक हत्या हुई है। बुधवार को कराची में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक दांत के अस्पताल में गोलीबारी की, जिसमें एक चीनी नागरिक की गोली की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार एसएसपी (दक्षिण) असद रजा ने कहा कि हमलावर कराची के सदर इलाके में स्थित क्लीनिक में मरीज होने का बहाना करके अस्पताल में घुसे थे। उन्होंने बताया कि बंदूकधारियों की गोलीबारी से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक महिला सहित दो अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि पीड़ित चीन के नागरिक थे। बाद में, पुलिस ने पीड़ितों की पहचान 25 वर्षीय रोनिल्ड रायमंड चॉ, 72 वर्षीय मार्गेड और 74 वर्षीय रिचर्ड के रूप में की। पुलिस ने कहा कि दोनों घायल विदेशियों की हालत गंभीर है, गोली उनके पेट में लगी है। आधिकारिक बयान के अनुसार सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने हमलावरों की तत्काल गिरफ्तारी का आदेश देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। उन्होंने कराची के अतिरिक्त आईजीपी से विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है। यह घटना हाल ही में देश में चीनी नागरिकों पर हुए हमलों की ताजा घटना है।

अप्रैल में, कराची विश्वविद्यालय में अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी द्वारा किए गए एक आत्मघाती विस्फोट में तीन चीनी मारे गए थे, जो बलूचिस्तान में चीन के निवेश का विरोध करता है, चीन और पाकिस्तान पर संसाधन-संपन्न क्षेत्र के शोषण का आरोप लगाता है। कुछ अन्य हमलों को पाकिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवादी संगठनों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया गया था।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों पर सख्त हुई ईरान की सेना, 73 बैलिस्टिक मिसाइलों से किया हमला

तेहरान (ईएमएस)। ईरान में हिजाब की अनिवार्यता के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन काफी उग्र हो गया है। हिरासत में ली गई छात्रा महसा अमीनी की मौत के 12 दिन बीत जाने के बाद भी ईरान में बवाल थमा नहीं है। इस बीच ईरान की सेना ने प्रदर्शनों को समर्थन देने वाले कुर्द लड़ाकों के ऊपर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान मीडिया की एक खबर के अनुसार इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ग्राउंड फोर्स ने कुर्दिस्तान में एक के बाद एक 73 बैलिस्टिक मिसाइल और दर्जनों आत्मघाती ड्रोन हमले किये हैं। आईआरजीसी का आरोप है कि कुर्दिस्तान की कोमला पार्टी देश में चल रहे हिजाब विरोधी हिंसक प्रदर्शनों को अपना समर्थन दे रही है। यह हमले कुर्द इलाकों के अलग-अलग 42 पॉइंट्स पर किये गए थे। शनिवार को हमले शुरू करने के बाद आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि पुलिस हिरासत में एक 22 वर्षीय ईरानी महिला की मौत पर जारी अशांति के बीच यह कुर्द समूह ईरान में हथियारों की तस्करी कर रहे थे। आगे आईआरजीसी ने बताया कि कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार के अधिकारियों द्वारा उचित कार्यवाई न करने के अनुरोध पर उन्हें यह हमले करने पड़े। हालांकि इन हमलों में कितने लोगों की जान गई है, इसकी कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों की शुरूआत ईरान के कुर्द-आबादी वाले उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों से हुई थी, जो धीरे धीरे राजधानी समेत 50 शहरों और कस्बों में फैल गए। अमीनी के गृह प्रांत कुर्दिस्तान में फैली अशांति के कारण ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द इलाकों में भारी बमबारी की है। हमले के पूर्व आईआरजीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहले भी कुर्द इलाकों में चल रहे प्रदर्शनों पर कार्रवाई की बात कही थी। ईरान में चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के लिए इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने कुर्द लड़ाकों को जिम्मेदार ठहराया है। आईआरजीसी के हवाले से सरकारी मीडिया ने बताया कि कुर्द ईरान के शहरों में हिंसा के पीछे शामिल थे। आईआरजीसी ने बताया कि लड़ाके देश में चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन के माध्यम से इस्लामी पवित्रता का अपमान कर रहे हैं।

रूस को 5 बार गोल्ड मेडल दिलाने वाली डेविडोवा ने पुतिन को दिया झटका, देश छोड़ा

मॉस्को (ईएमएस)। रूस के हमलों से एक ओर यूक्रेन बेहाल है वहीं रूस में भी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के फैसलों से कई लोग सहमत नहीं है इस तरह पनपते विरोध के बीच देश को लंदन-2012 ओलंपिक में पदक दिलाने वाली सिंक्रनाइज तैराक अनास्तासिया डेविडोवा देश से पलायन कर गई हैं। पांच बार की स्वर्ण पदक विजेता और रूसी ओलंपिक समिति (आरओसी) की वर्तमान महासचिव 39 वर्षीय अनास्तासिया डेविडोवा ने पुतिन के लामबंदी आदेश के मद्देनजर सीमा पर हजारों की संख्या में शामिल होकर क्रेमलिन को चौंका दिया है। उनके फैसले को यूक्रेन में पुतिन के युद्ध से जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन उन्होंने अभी तक इस कदम पर कोई बयान जारी नहीं किया है। क्रेमलिन समर्थक एक मीडिया आउटलेट ने इस फैसले की आलोचना करते हुए तैराक डेविडोवा पर हमला किया। इसी तरह, एक शीर्ष रूसी न्यायाधीश ने देश की संवैधानिक अदालत को छोड़ दिया है। क्योंकि देश के अधिकांश वर्ग ने अपने तानाशाह राष्ट्रपति को त्याग दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कॉन्स्टेंटिन अरानोव्स्की ने 57 वर्ष की आयु में इस्तीफा दे दिया, भले ही आधिकारिक सेवानिवृत्ति की आयु 70 वर्ष है, और संवैधानिक अदालत जल्द ही पुतिन के यूक्रेन के आसन्न विलय की वैधता पर विचार करने वाली है। रशियन फेडरेशन ऑफ सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग की उपाध्यक्ष ओल्गा ब्रुसनिकिना ने कहा कि डेविडोवा के अचानक चले जाने से हर कोई हैरान है। डेविडोवा ने 2012 के लंदन ओलंपिक के समापन समारोह में रूसी झंडा लहराया, जहां उन्होंने स्वर्ण भी जीता। उन्होंने साल 2004 में एथेंस में, 2008 में बीजिंग में स्वर्ण पदक हासिल किया और वह 13 बार की विश्व चैंपियन है। डेविडोवा को पिछले साल पुतिन द्वारा ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया गया था, और रूस छोड़ने का उनका निर्णय क्रेमलिन नेता के लिए एक बड़ा प्रतीकात्मक झटका है। साल 2019 में उन्होंने रूस के सिंक्रोनाइज्ड स्विमिंग सेंटर में उनकी मेजबानी की, जिसका नाम उनके नाम पर रखा गया है। उनका युद्ध विरोध निर्णय पुतिन के युद्ध और उनके हालिया लामबंदी के कदम घरेलू अशांति का एक और संकेत है। मैच टीवी चैनल के डिप्टी जनरल प्रोड्यूसर वसीली कोनोव ने डेविडोव के बाहर निकलने की घोषणा की। उन्होंने कहा, सिंक्रोनाइज्ड तैराकी में पांच बार की ओलंपिक चैंपियन अनास्तासिया डेविडोवा ने रूस छोड़ दिया है।

4 बहनों ने बनाया दुनिया में सबसे अधिक उम्र का विश्व रिकार्ड

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। दुनिया में रिकार्ड बनाने के लिए लोग क्या कुछ नहीं करते। कोई कुछ नया करने की कोशिश करता है, तो रिकॉर्ड बन जाता है। कुछ लोग इसके लिए खासी मेहनत करते हैं तो कुछ लोगों को कुदरत ही कुछ ऐसी नायाब चीज देती है, जो रिकॉर्ड बना दे। चार अमेरिकन बहनों को कुदरत ने लंबी उम्र का तोहफा दिया है और उन्होंने एक नई तरह का रिकार्ड बना दिया है, वे दुनिया की सबसे अधिक उम्र वाली बहनें हैं।

कैलिफोर्निया की रहने वालीं जॉनसन सिस्टर्स ने अपना नाम गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करा लिया है। वे दुनिया की सबसे लंबी उम्र वाली बहनें हैं, जिनकी उम्र को जोड़ दिया जाए तो ये 389 साल आएगी। ये अपने आपमे रिकॉर्ड है क्योंकि इससे पहले गोबेल फैमिली के सिबलिंग्स के नाम 383 साल की कम्बाइंड एज का रिकॉर्ड था, जिसे उन्होंने तोड़ दिया है। जहां दुनिया में औसत उम्र 65-68 साल तक सिमटती जा रही है, वहीं कैलिफोर्निया की ये बहनें स्वस्थ ज़िंदगी जीकर लोगों को प्रेरणा दे रही हैं। चारों बहनों की उम्र मिलाकर 389 साल और 197 दिन हो चुकी है।

आज का इतिहास 30 सितम्बर

1399 हेनरी बोलिंग ब्रोक इंग्लैंड की गद्दी पर बैठे.
1687 औरंगजेब ने गोलकुंडा पर कब्जा कर लिया.
1791 अमरीकी डॉक्टर विलियम मार्टन ने पहली बार ईथर का प्रयोग करके एक मरीज का दांत निकाला.
1908 हिन्दी कवि रामधारी सिंह दिनकर का जन्म.
1929 आविष्कारक फ्रिट्ज वान ओपेक ने राकेट चालित विमान का परीक्षण किया.
1949 रूसी नाकेबंदी के दौरान बर्लिन को अमरीका और ब्रिटेन ने आपूर्ति जारी रखी जो समाप्त हुई.
1966 जर्मन युद्ध अपराधी अल्बर्ट स्पीयर और बाल्डर वान शिराश को 20 साल की सजा काटने के बाद स्पांडाऊ जेल से रिहा किया गया.
1985 अमरीकी वैज्ञानिक चार्ल्स रिश्टर का निधन.
1989 भारत में निर्मित प्रथम पनडुब्बी शाल्की का जलावतरण.
1993 महाराष्ट्र के लातूर में आए भूकंप में 15 हजार से अधिक लोग मारे गए.
2001 कांग्रेस के लोकप्रिय नेता माधवराव सिंधिया का उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के निकट हुई एक भयंकर विमान दुर्घटना में निधन.
2002 भारत व श्रीलंका चैम्पियन्स ट्राफी के संयुक्त विजेता बने.
2005 शिलांग के गारो हिल्स में दो जिलों में पुलिस फायरिंग में 9 मरे व 89 घायल हुए.

जिन देशों से गुजरती है मेकांग नदी, वे बनते जा रहे कूड़ादान

डबलिन (ईएमएस)। यहां की मेकांग नदी जिन देशों से होकर गुजरती है, वे दुनिया का कचरा स्थल बनते जा रहे हैं। यह कचरा नदियों में जमा होता जा रहा है, जिससे जलीय जीव मारे जा रहे हैं । महामारी कोविड-19 के कारण दक्षिण पूर्व एशिया में प्लास्टिक कचरा बढ़ा है। एक बार इस्तेमाल होने वाले मास्क, खाद्य पदार्थों के पैकिंग वाले सामान और ऑनलाइन शॉपिंग की पैकेजिंग के अवशेष आदि का कचरा इस दौरान बढ़ा है। अप्रैल 2020 में बैंकॉक में एकल इस्तेमाल वाले प्लास्टिक कचरे का दैनिक औसत 2,115 टन से बढ़कर 3,400 टन से अधिक हो गया था। लॉकडाउन के कारण फिलीपीन और वियतनाम जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में कचरे का पुनर्चक्रण (रिसाइक्लिंग) 80 प्रतिशत से अधिक रुक गया था।महामारी के दौरान जमा कचरे से पहले भी प्लास्टिक की समस्त पैकेजिंग सामग्री का केवल नौ प्रतिशत निस्तारित किया जाता था और करीब 12 प्रतिशत को जलाया जाता था। बाकी 79 प्रतिशत कचरा कूड़ा डालने के स्थानों और प्राकृतिक पर्यावरण में जमा हो गया। इसमें से ज्यादातर कचरा, विशेष रूप से प्लास्टिक समुद्र में चला जाता है। यूएन एनवॉयरमेंट के 2018 के एक अध्ययन के अनुसार हमारे समुद्रों में साल भर में करीब 1.3 करोड़ टन प्लास्टिक कचरा जमा हो जाता है। समुद्र में प्लास्टिक का प्रदूषण अनेक देशों की एक प्रमुख समस्या है, जिस पर प्रति वर्ष 2500 अरब डॉलर की अनुमानित लागत आती है। समुद्री जानवरों की करीब 267 प्रजातियां प्लास्टिक के कचरे के निगलने या अन्य कारणों से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई हैं जिनमें कछुए, व्हेल, मछली और समुद्री पक्षी आदि प्रमुख हैं।

हालांकि यह संख्या और अधिक होगी क्योंकि छोटी प्रजातियों का ही अध्ययन किया जाता है। इन जानवरों को खाते हुए मनुष्य भी प्लास्टिक निगल रहे हैं, जो कैंसर और बांझपन जैसे स्वास्थ्य जोखिमों का कारण है। यह कचरा समुद्र के विशाल क्षेत्र को घेर रहा है तथा प्लास्टिक तटों पर आ रहा है। लगभग 80 प्रतिशत कचरा जमीन आधारित है और यह नदियों और अन्य जलमार्गों के माध्यम से समुद्र में पहुंच गया होगा। यदि गणना के अनुसार मौजूदा रुझान बना रहता है तो 2050 तक, महासागरों में प्लास्टिक का वजन मछलियों से ज्यादा हो जाएगा। सबसे अधिक प्लास्टिक प्रदूषण करने वाले छह देशों में से तीन-चीन, थाईलैंड और वियतनाम से मेकांग नदी गुजरती है और कई दक्षिण पूर्व एशियाई देश दुनिया के प्लास्टिक कचरे के डंपिंग ग्राउंड बन गए हैं। जैसा कि 2019 में ग्लोबल अलायंस फॉर इंसीनरेटर अल्टरनेटिव्स ने रेखांकित किया था, दक्षिण पूर्व एशिया में कचरा लगातार दूषित पानी, खराब फसल और सांस की बीमारियों का कारण बन रहा है। मछलियां प्लास्टिक खा रही हैं। थाईलैंड और इंडोनेशिया में मृत व्हेलों के पेट में कई किलोग्राम प्लास्टिक मिल रहा है। समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण की दिशा में क्षेत्रीय प्रशासन काम नहीं कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाध्यकारी लक्ष्यों और समयसीमा के साथ कोई प्लास्टिक निरोधक संधि नहीं है। जीवाश्म ईंधन और प्लास्टिक उद्योगों ने उन नीतियों से पार पाने में कामयाबी हासिल कर ली जो प्लास्टिक के थैलों आदि के जरिये प्लास्टिक की खपत पर अंकुश लगाती हैं। इसके बजाय, भलीभांति वित्त पोषित इन उद्योगों ने उपभोक्ताओं को अपने स्वयं के कचरे की जिम्मेदारी लेने के लिहाज से मनाने के उद्देश्य से विपणन रणनीतियों में निवेश किया है।

कंपनी को आकर्षित करने के लिए महिला ने भेजा अनूठा रिज्यूमे, केक पर लिखा अपना बायोडाटा

लंदन (ईएमएस)। कंपनियों में हर दिन नौकरी के लिए रिज्यूमे आते हैं। अगर कंपनी नाइकी की तरह बड़ा ब्रांड है, तो यहां रिज्यूमे की संख्या सैकड़ों नहीं हजारों में हो सकती है।

नौकरी के इच्छुक लोग अपने को कैसे बाकी से अलग दिखाएं, इसके लिए लोग तरह-तरह की तरकीब अपनाते हैं। नाइकी को नौकरी के लिए एक ऐसा आवेदन मिला है जो आपके चेहरे पर मुस्कुराहट ला देगा। दरअसल, एक महिला ने अपने रिज्यूमे को सबसे अलग दिखाने के लिए पहले पूरा बायोडाटा एक केक पर प्रिंट कराया और फिर उसे नाइकी को भेज दिया। उस महिला ने पार्टी के दौरान टीम का हिस्सा बनने के लिए यह अनोखा तरीका अपनाया। अपना रिज्यूमे केक पर प्रिंट कराने वाली महिला कार्ली पावलिनैक ब्लैकबर्न वैलेंट लैब्स में नौकरी की इच्छुक थी। वह जानती थी कि इस टीम में फिलहाल कोई वेकैंसी नहीं है, फिर भी टीम को अपने बारे में बताने के लिए उसने केक पर अपना बायोडाटा प्रिंट कराकर भेजने का तरीका अपनाया। महिला ने अपनी लिंक्डइन पोस्ट में लिखा, फिलहाल उस टीम में वे किसी भी पद के लिए नए लोगों को भर्ती नहीं की जा रही है, लेकिन मैं टीम को यह बताने के लिए कोई आइडिया सोच रही थी कि मैं कौन हूं।

एक बड़ी पार्टी में केक भेजने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है। मैं अपने पूर्व सहयोगी ट्रेंट गैंडर से इस पर चर्चा की। उन्होंने कहा कार्ली डू बेटर, यह एक क्रिएटिव जगह है, तुम खुद को क्रिएटिव तरीके से दिखाने का प्रयास करो और यह सही था।

सउदी अरब में मैरीटाइम क्राग्रेस के दौरान कई प्रकार के समुद्री जहाजों के मॉडल देखते हुए लोग।
(फोटो-ईएमएस)

1 अक्टूबर से महंगी हो सकती है सीएनजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ईंधन कंपनियां हर महीने के शुरू में अपने उत्पादों के दाम में बदलाव करती हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि 1 अक्टूबर सीएनजी की कीमतों में तेजी आ सकती है। दरअसल 1 अक्टूबर को होने वाली कीमतों की समीक्षा में नैचुरल गैस के दाम बढ़ाए जा सकते हैं। इस गैस को सीएनजी में बदला जाता है। ईंधन की कीमतों में पिछले कुछ महीनों में आई तेजी के कारण गैस का उत्पादन महंगा हो गया है। ओएनजीसी द्वारा ऑयल फील्ड्स से गैस उत्पादन की कीमत 6.1 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट से बढ़कर 9.1 डॉलर पहुंचने का अनुमान है। इसी तरह अन्य घरेलू गैस उत्पादक कंपनियों का खर्च बढ़ने का भी अनुमान है। गौरतलब है कि गैस की कीमत हर 6 महीने में एक बार सरकार तय करती है। सरकार यह हर साल 1 अप्रैल और 1 अक्टूबर को करती है। गैस की कीमतें इसकी अधिकता वाले देश में चल रही कीमतों पर आधारित होती है। हालांकि, उन देशों की एक तिमाही पुरानी गैस कीमत देखी जाती है। यानी कि 1 अक्टूबर को सीएनजी के दाम में होने वाला बदलाव जुलाई 2021 से जून 2022 की औसत कीमतों के आधार पर तय होगा इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतें आसमान छू रही थीं। खबरों के अनुसार, सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित प्राकृतिक गैस की कीमतों के फॉमूर्ले की समीक्षा के लिए एक समिति का भी गठन किया है। 1 सितंबर को कमर्शियल एलपीजी की कीमत में 100 रुपए तक की कमी की गई थी। दिल्ली में इंडेन का सिलिंडर 91 रुपए, कोलकाता में 100 रुपए और मुबंई में 92.50 रुपए सस्ता हुआ था। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलिंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया था। त्योहारी सीजन को देखते हुए इस बार भी उम्मीद जताई जा रही है इस बार भी घरेलू गैस की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी।

आरबीआई ने कहा- औद्योगिक कर्ज की हिस्सेदारी पिछले एक दशक में धीरे-धीरे घटी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि कुल कर्ज में औद्योगिक की कर्ज की हिस्सेदारी पिछले एक दशक में धीरे-धीरे कम हुई है जबकि व्यक्तिगत कर्ज का हिस्सा बढ़ा है। आरबीआई की तरफ से भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कर्ज पर मूल सांख्यिकीय रिटर्न मार्च 2022 शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार मार्च 2022 में औद्योगिक और व्यक्तिगत ऋणों की हिस्सेदारी करीब 27-27 प्रतिशत थी। औद्योगिक क्षेत्र के ऋण में 2021-22 में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि एक साल पहले इसमें गिरावट दर्ज की गई थी। आरबीआई ने कहा कि हाल के वर्षों में खुदरा क्षेत्र से ऋण की मांग बढ़ी है। छोटे आकार के कर्ज का हिस्सा भी लगातार बढ़ रहा है। एक करोड़ रुपए तक के कर्ज की हिस्सेदारी मार्च 2022 में बढ़कर करीब 48 फीसद हो गई, जो पांच साल पहले करीब 39 फीसद थी। वहीं 10 करोड़ रुपए से ज्यादा के कर्ज का हिस्सा घटकर 40 प्रतिशत पर आ गया जो पांच साल पहले 49 प्रतिशत था। इसमें कहा गया है कि कुल बैंक ऋण में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी घट रही है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के कुल कर्ज में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी मार्च 2022 में 54.8 प्रतिशत रही। यह पांच साल पहले 65.8 प्रतिशत और 10 साल पहले 74.2 प्रतिशत थी। दूसरी तरफ निजी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी पिछले दस साल में करीब दोगुनी होकर 36.9 प्रतिशत हो गई।

मिर्ची की फसल वायरस से बर्बाद, कृषि विभाग ने नहीं कराया शोध

भोपाल (ईएमएस)। बड़वानी जिले में 30,000 हेक्टेयर में लगी मिर्च की फसल बर्बाद हो गई हैम किसान फसल को उखाड़ कर फेंक रहे हैं। पिछले कई वर्षों से मिर्ची की फसल में एक वायरस फैलता है, जो बड़ी तेजी के साथ फसल को बर्बाद करता है। पिछले कई वर्षों से किसान इस संबंध में कृषि विभाग को अवगत कराते रहे हैं। इसके बाद भी सरकार और कृषि विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिससे किसानों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। किसानों के अनुसार पिछले 10 वर्षों से मिर्ची की फसल में यह रोग फैल रहा है। 2014 में नई दिल्ली से एक टीम आई थी। जिसने वायरस की जांच की थी। टीम ने इसका मुख्य कारण सफेद मक्खी को वायरस फैलाने का कारण माना था। निमाड़ में हर साल वायरस अटैक से हजारों एकड़ की मिर्ची की फसल बर्बाद हो रही है। लेकिन किसानों को वायरस से बचने की जानकारी नहीं देने तथा बचाव के उपाय नहीं

बताने से मिर्ची की फसल बर्बाद होती है। इसका रकबा हर साल कम होता जा रहा है। किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। मध्य प्रदेश सरकार को किसानों की इस समस्या का निदान निकालने के लिए विश्वविद्यालय में शोध और इस वायरस से बचाव के उपाय किसानों को समय रहते बताना चाहिए।

बैट्री सेफ्टी और टेस्टिंग से जुड़े नए नियम अभी लागू नहीं होंगे

-इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्यूफैक्चरर्स को बड़ी राहत

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैट्री सेफ्टी और टेस्टिंग से जुड़े नए नियमों को लागू करने की समय सीमा को केंद्र ने बढ़ा दिया है। केंद्र के इस फैसले ने इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्यूफैक्चरर्स को सरकार ने बड़ी राहत दी है। पूर्व में ये नियम 1 अक्टूबर से लागू होने वाले थे लेकिन सड़क परिवहन मंत्रालय ने इस से संबंधित एक नोटिफिकेशन जारी कर इस टाइम लाइन को एक्सटेंड कर दिया है। अब सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर इसे दो चरणों में लागू करने की बात कही है। पहला चरण 1 दिसंबर को और दूसरा 31 मार्च 2023 से लागू होगा। सरकार ने ईवी मैन्यूफैक्चरर्स को नए मानदंडों का पालन करने के लिए थोड़ा समय और दिया है। सरकार का मानना है कि ऐसे में बैट्री को लेकर हो रहे इश्यूज को सॉल्व करने के लिए ईवी कंपनियों को कुछ और समय मिल सकेगा। साथ ही वे बैट्री पैक्स को सही तरीके से टेस्ट भी कर सकेंगे। वहीं ईवी मैन्यूफैक्चरर्स ने भी सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। नए नियमों में बैट्री सुरक्षा मानकों में कई प्रावधान किए गए थे। इसमें बैट्री पैक के डिजाइन, उसके सैल, बीएमएस, चार्जर और थर्मल प्रॉपोगेशन को लेकर टेस्टिंग के नॉर्म्स में बदलाव किया गया था। साथ ही इसकी टेस्टिंग के लिए कुछ और पॉइंट्स जोड़े गए थे। शॉर्ट सर्किट को लेकर ईवी में लग रही आग की प्रॉब्लम को खत्म करने के लिए वायरिंग टेस्ट पर भी जोर दिया गया था। सरकार के समयसीमा बढ़ाने को लेकर एसएमईवी के डायरेक्टर जनरल और हीरो इलेक्ट्रिक के सीईओ सोहिंदर गिल ने कहा कि सरकार ने जिन मानकों की बात की है वे सुरक्षा के लिहाज से जरूरी हैं। इसके लिए बैट्री के डिजाइन में बदलाव करना होगा। जिसमें समय लगेगा। अब सरकार ने जब नए नियमों के लिए समय बढ़ा दिया है तो ईवी मैन्यूफैक्चरर्स को नए डिजाइन को बनाने और टेस्ट करने के लिए समय मिल सकेगा। बता दें कि लगातार ईवी में लग रही आग और अन्य परेशानियों के चलते यात्री सुरक्षा के मद्देनजर सरकार ने कुछ बदलाव करते हुए 1 सितंबर को बैट्री से जुड़े सुरक्षा मानकों में और प्रावधान जोड़े थे। जिसके लिए पहले 1 अक्टूबर का समय दिया गया था।

इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया का आईपीओ चार अक्टूबर को खुलेगा

मुंबई (ईएमएस)। टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली खुदरा श्रृंखला इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 4 अक्टूबर को खुलकर सात अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि 500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 56-59 रुपये प्रति शेयर का तय है। आईपीओ में 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाने हैं। इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। कंपनी, निर्गम से प्राप्त आय का उपयोग अपने पूंजीगत व्यय के लिए, कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और ऋण का भुगतान करने के लिए करेगी। निर्गम का आधा हिस्सा योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए, 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए और शेष 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है। कंपनी की परिचालन आय 2021-22 के दौरान 36 प्रतिशत बढ़कर 434.93 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 77 प्रतिशत बढ़कर 103.89 करोड़ रुपये हो गया।

दैनिक पंचांग

30 सितम्बर 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

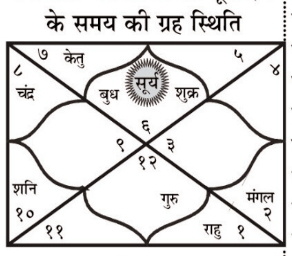

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.11 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृश्चिक	09.25 ब.से
मंगल	वृष में	धनु	11.41 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.46 बजे से
गुरु	मीन में	कुंभ	15.33 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	17.06 बजे से
शनि	मकर में	मेष	18.36 बजे से
राहु	मेष में	वृष	20.16 बजे से
केतु	तुला में	मिथुन	22.14 बजे से
		कर्क	00.28 बजे से
राहुकाल		सिंह	02.44 बजे से
10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	04.56 बजे से

शुक्रवार 2022 वर्ष का 273 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2079 **शक संवत्** 1944 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 22.35 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 04.19 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 22.32 बजे को समाप्त। **करण** बव 11.24 बजे तदनन्तर बालव 22.35 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 04.1 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 02° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871387
जूलियन दिन 2459852.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1444
महीना रवि उलावल
तारीख 03
विशेष उपांग ललिता व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

किआ सीएनजी वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस)। फिटेड सीएनजी किट के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा सबसे ज्यादा पॉपुलर कार है। अब इसी को टक्कर देने के लिए किआ अपने फ्लैगशिप मॉडल कारेंस का सीएनजी वेरिएंट लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी ने इस वेरिएंट की टेस्टिंग शुरू कर दी है और माना जा रहा है कि दिवाली से पहले कंपनी इसे बाजार में उतार सकती है। कारेंस का पेट्रोल वर्जन लोगों ने पहले भी पसंद किया था. इसके लुक्स और फीचर्स तो अच्छे हैं ही अब इसको एक बेहतर माइलेज के साथ सीएनजी ऑप्शन में लॉन्च किया जा रहा है। लॉन्च से पहले ही इस गाड़ी को लेकर चचाएं भी शुरू हो गई हैं। कारेंस की शुरूआती कीमत 9.60 लाख रुपये से शुरू होकर 17.70 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक जाती है। सूत्रों के अनुसार कारेंस के सीएनजी वेरिएंट की कीमत करीब 12 लाख रुपये रखी जाएगी। वहीं मारुति अर्टिगा सीएनजी की कीमत 10.50 लाख रुपये से लेकर 11.60 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है। इंजन की बात करें तो कारेंस में 1.4 लीटर का टर्बोचार्जड पेट्रोल इंजन है। ये इंजन 140 पीएस की पावर और 242 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। सीएनजी मॉडल में 6 स्पीड मैनुअल गियर बॉक्स होगा। अभी आ रहे पेट्रोल वेरिएंट में 7 स्पीड टीसीटी ट्रांसमिशन का ऑप्शन भी है। किआ कारेंस के प्रीमियम, प्रेस्टीज, प्रेस्टीज प्लस, लग्जरी और लग्जरी प्लस लेवल मौजूद हैं, जिनके कुल 19 वेरिएंट्स हैं। बता दें कि सीएनजी कारों को लेकर लोगों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसी मांग को पूरा करने के लिए कंपनियां भी अपनी गाड़ियों के मॉडल्स को कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ पेश भी कर रही हैं।

आकाश अंबानी टाइम 100 नेक्स्ट की सूची में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दुनिया की नामचीन टाइम मैगजीन ने देश के जाने माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बड़े बेटे और रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी को जगह दी है। उन्हें लीडर्स कैटेगरी में चुना गया है। आकाश के बारे में टाइम मैगजीन का कहना है कि वे कारोबार बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने गूगल और फेसबुक के साथ अरबों डॉलर की निवेश डील पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आकाश अंबानी टाइम100 नेक्स्ट लिस्ट में शामिल होने वाले अकेले भारतीय हैं। उल्लेखनीय है कि रिलायंस जियो का 5जी रोलआउट आकाश अंबानी की निगरानी में हो रहा है। कंपनी की योजना दीवाली तक दिल्ली, मुंबई सहित कुछ अन्य मैट्रों में 5जी सर्विस लॉन्च करने की है। भारतीय टेलीकॉम जगत में अकेली जियो ही ऐसी कंपनी है, जिसने 700 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम बैंड खरीदा है। ऐसा माना जा रहा है कि यह अकेला स्पेक्ट्रम बैंड है जिस पर स्टैंड-अलोन 5जी नेटवर्क चल सकता है। इस सूची में देश दुनिया के अलावा उद्योग जगत के 100 उभरते सितारों को जगह दी जाती है। 2022 की टाइम मैगजीन की सूची में संगीतकारों के साथ-साथ पेशेवर चिकित्सक, सरकारी अधिकारियों, आंदोलनकारियों, हाई-प्रोफाइल व्हिसल-ब्लोअर्स और टॉप सीईओ को भी शामिल किया गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुछ राज्यों में बढीं

- कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट

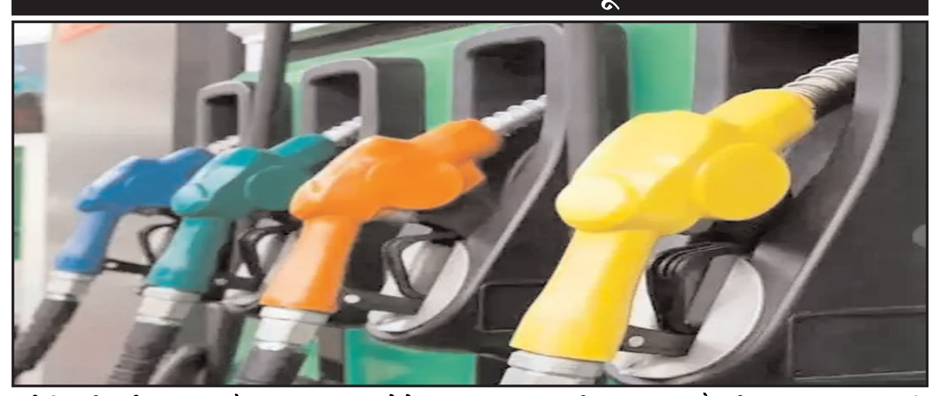

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक बाजार में पिछले दो दिन से बढ़ोतरी के बाद गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में मामूली गिरावट देखने को मिली है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 88.87 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जबकि डब्ल्यूटीआई 81.72 डॉलर प्रति बैरल के भाव बिक रहा है। देश में सरकारी तेल कंपनियों ने सुबह पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। कुछ राज्यों में इनकी कीमत बढ़ गई हैं। बिहार में 16 पैसे बढ़कर पेट्रोल 109.15 रुपए लीटर और डीजल 15 पैसे बढ़कर 95.80 रुपए लीटर हो गया है। झारखंड में 33 पैसे बढ़कर पेट्रोल 100.76 रुपए लीटर और डीजल 95.55 रुपए लीटर हो गया है। इसके अलावा हरियाणा में 9 पैसे की मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। यहां पेट्रोल अब 97.52 रुपए लीटर और डीजल 90.36 रुपए लीटर पर बिक रहा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश समेत कुछ राज्यों में 33 पैसे की मामूली गिरावट भी देखने को मिली है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.48 रुपए और डीजल 94.26 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

हीरो कंपनी राजस्थान में लगाएगी अपना प्लांट

-1200 करोड़ रुपये आएगी लागत, मिलेगी नौकरियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। हीरो कंपनी ने अब राजस्थान में अपना प्लांट स्थापित करने जा रही है। इस प्लांट की लागत 1200 करोड़ रुपये आएगी। बीते दिनों कंपनी ने राजस्थान सरकार के साथ एक एमओयू पर साइन किया है। अब हीरो अपना मैगा ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट राजस्थान में स्थापति करेगी। ये प्लांट अलवर जिले के सलरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में बनाया जाएगा। जानकारी के अनुसार ये अत्याधुनिक प्लांट 170 एकड़ से ज्यादा जमीन पर होगा और 2023 तक ये ऑपरेशनल कंडिशन में आ जाएगा. कंपनी के अनुसार इस प्लांट से दो मिलियन यूनिट्स हर साल बनाई जाएंगी। इंवेस्ट राजस्थान समिट में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और हीरो इलेक्ट्रिक के एमडी नवीन मुंजल ने एमओयू पर साइन किए। इस दौरान नवीन मुंजल ने बताया कि इस प्लांट में रोबॉटिक्स तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। ये कंपनी का तीसरा ग्रीनफील्ड प्लांट होगा और यहां पर सोलर एनर्जी का भी यूज किया जाएगा। इस प्लांट को बनाने में कंपनी करीब 1200 करोड़ रुपयों का निवेश करेगी.अलवर जिले में इतना बड़ा प्लांट लगने के बाद स्थानीय लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तकनीकी कर्मचारी से लेकर स्किल्ड लेबर तक की जरूरत कंपनी को इस प्लांट में पड़ेगी।सरकार के अनुसार प्लांट लगने के बाद क्षेत्र के विकास के साथ ही रोजगार मिलने से लोगों की आर्थिक हालत सुधरेगी और राज्य का भी विकास होगा। कंपनी के सीईओ सोहिंदर गिल ने कहा कि उन्होंने बताया कि कंपनी ने मेक इन इंडिया विजन को बढ़ावा देने के लिए इस फैसिलिटी को स्थापित करने का निर्णय लिया है। यहां से हर साल दो मिलियन से ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हीकल का निर्माण किया जाएगा जो पूरी तरह से स्वदेशी होंगे। ये प्लांट आधुनिक तकनीक से लैस होगा। यहां पर कुशल कारीगरों के साथ ही रोबोटिक्स का इस्तेमाल होगा। साथ ही ये ग्रीन फील्ड फैसिलिटी से लैस होगा।उन्होंने कहा कि इससे राज्य में क्लीन मोबिलिटी और इकोलॉजिकल टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा।

आज का राशिफल

आज का भाग्य

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, अश्वनि शुक्ल पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे शुक्रास्त पूर्वे, तिथि पंचमी, शुक्रवासरे, विशाखा/अनुराधा नक्षत्रें, प्रीत योगे, वव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, मूल प्रारंभ, रा.आ.5/06 जातकर्म, नामाकरण, अन्न प्रासन्न, वृक्षारोपण, उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होवेगी।

आज जन्म लिए बालक का फल....... .

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान किन्तु जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, शिक्षक, शिक्षविद्, शिक्षाशास्त्री, धनी-मानी, वक्ता-प्रवक्ता होगा।

मेष राशि - किसी को धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय होगा, सामंजस्य के साथ आगे बढ़ें।
वृष राशि - परिस्थिति अनुकूल नहीं रहेगी, लेन-देन के मामले स्थगित रखें, व्यर्थ विवाद से अवश्य बचें।
मिथुन राशि - समय व्यर्थ नष्ट होगा, यात्रा के प्रसंग में थकावट व बेचैनी बनेगी, समय व धन व्यर्थ नष्ट न करें।
कर्क राशि - प्रयत्नशीलता विफल होगी, परिश्रम करने से ही कुछ सफलता मिलेगी, आलस्य से हानि होगी।
सिंह राशि - परिश्रम से कार्य पूर्ण होंगे, मेहनत से कार्य में विजय मिलेगी, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा।
कन्या राशि - व्यवसाय से संतोष होगा, अर्थ-व्यवस्था अनुकूल रहेगी, समय स्थिति का लाभ अवश्य लें।
तुला राशि - तनावपूर्ण वातावरण से बचें, अवरोध पूर्ण वातावरण से परेशानी बढ़ेगी, धैर्य पूर्वक आगे बढ़ें।
वृश्चिक राशि - परिस्थिति में सुधार फलप्रद नहीं, कार्य विफलता की चिन्ता रहेगी, लापरवाही से हानि होगी।
धनु राशि - स्त्री से उल्लास रहेगा, मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य परिश्रम से बनेंगे, कार्यगति पर ध्यान अवश्य दें।
मकर राशि - क्लेश व अशांति रहेगी, व्यर्थ विभ्रम तथा उद्विघ्नता का वातावरण बनेगा, धैर्य अवश्य रखें।
कुंभ राशि - कार्यगति आशानुकूल रहेगी, चिन्तायें कम होंगी तथा सफलता के साधन बनेंगे ध्यान अवश्य दें।
मीन राशि - सफलता से हर्ष होगा, इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा, समय रहते कार्य अवश्य पूर्ण कर लें।

DELHI CRIME 30 sep 2022:Layout 1 9/29/2022 6:50 PM Page 6

प्रधानमंत्री मोदी ने 'कैप्टन फैंटास्टिक' सीरीज की रिलीज के बाद सुनील छेत्री को दी बधाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा द्वारा महान भारतीय फुटबॉलर सुनील छेत्री के जीवन पर तीन एपिसोड की श्रृंखला 'कैप्टन फैंटास्टिक' जारी किये जाने पर उन्हें बधाई दी है। बता दें कि मंगलवार को फीफा ने सुनील छेत्री के जीवन और करियर पर 'कैप्टन फैंटास्टिक' नाम की एक श्रृंखला जारी करने की घोषणा करते हुए कहा कि इस कदम से भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, "बहुत खूब सुनील छेत्री! इससे निश्चित रूप से भारत में फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ेगी।"

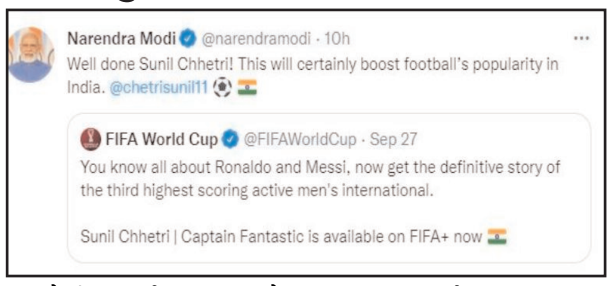
Narendra Modi @narendramodi · 10h
Well done Sunil Chhetri! This will certainly boost football's popularity in India. @chetrisunil11

FIFA World Cup @FIFAWorldCup · Sep 27
You know all about Ronaldo and Messi, now get the definitive story of the third highest scoring active men's international.

Sunil Chhetri | Captain Fantastic is available on FIFA+ now

बता दें कि भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री के महान करियर को 'कैप्टन फैंटास्टिक' नाम की एक श्रृंखला के रूप में पहचान का एक नया स्तर मिला है, जो तीन एपिसोड की अवधि में उनकी कहानी का प्रदर्शन करेगा। खेल की शासी निकाय फीफा ने मंगलवार को घोषणा की कि छेत्री के करियर और जीवन के बारे में एक श्रृंखला फीफा पर उपलब्ध है, जो इसके स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। फीफा विश्व कप ने ट्विटर पर ट्वीट किया, "आप रोनाल्डो और मेसी के बारे में सब जानते हैं, अब तीसरे सबसे अधिक गोल करने वाले सक्रिय अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर सुनील छेत्री के बारे में जानें। कैप्टन फैंटास्टिक अब फीफा पर उपलब्ध है।"

कप्तानी छोड़ने के बाद से ही बल्लेबाजी का आनंद उठा रहे रुट

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के अनुभवी खिलाड़ी जो रुट ने कहा है कि कप्तानी छोड़ने के बाद से ही वह अपनी बल्लेबाजी का आनंद ले रहे हैं। रुट ने कहा कि कप्तानी के साथ उनका संबंध अच्छा नहीं रहा और इससे उनके खेल पर विपरीत प्रभाव पड़ा था। अब जबकि वह जिम्मेदारियों से अलग हो गये हैं तब अपने खेल में ध्यान दे पा रहे हैं। रूट की कप्तानी में इंग्लैंड टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा था। इसके कारण वह आलोचनाओं का शिकार भी हुए थे। एशेज में मिली हार के बाद उन्होंने अपना पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही नए कप्तान बेन स्टोक्स और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम के मार्गदर्शन में टीम लगातार आगे बढ़ रही है। टीम ने पिछले कुछ समय के अंदर ही सात में से छह टेस्ट जीते हैं। टीम ने इस दौरान न्यूजीलैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को हराया और इसमें रुट ने जॉनी बेयरस्टो के साथ मिलकर सबसे ज्यादा रन बनाये। रूट ने कहा, मैंने इस साल का उतना ही आनंद उठाया है, जितना कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मेरे खेलने के बाद से है, विशेषकर टेस्ट क्रिकेट के मामले में। रूट ने कहा कि उम्मीद है कि हम यहां से मजबूती से आगे बढ़ सकते हैं और एक टीम के रूप में आगे बढ़ते रह सकते हैं, लेकिन हमने इस साल कुछ चीजें की हैं जो कई टेस्ट टीमें हासिल नहीं कर पाई हैं। मुझे लगता है कि अब हमारे लिए चुनौती है कि हम आगे बढ़ते रहें। इसके लिए प्रारूप में नए क्षेत्रों का पता लगाने की कोशिश करते रहें और देखें कि हम इसे कितनी दूर ले जा सकते हैं। रूट ने कहा, मैं टीम के लिए अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करने को लेकर उत्साहित हूं और देखता हूं कि हम एक पक्ष के रूप में कहां पहुंच सकते हैं। टीम में एक अनुभवी खिलाड़ी के रूप में मुझे अभी भी नेतृत्व करने की भूमिका मिली है। मेरी जिम्मेदारी रन बनाने के साथ ही कुछ युवा बल्लेबाजों की सहायता करना है जिससे आने वाले समय में हमें लाभ होगा। रुट ने कहा कि वह इस साल के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीरीज को लेकर उत्साहित हैं।

सूर्यकुमार यादव के नाम टी-20 क्रिकेट में एक और उपलब्धि, एक कैलेंडर वर्ष में लगाए सबसे अधिक छक्के

तिरुवनंतपुरम, (हि.स.)। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने वर्ष 2022 में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। सूर्या अब एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि केरल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के पहले मैच में हासिल की। उन्होंने मैच में सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 50 रनों की पारी खेली, जिसमें पांच चौके और तीन छक्के शामिल थे। उन्होंने एक ऐसी पिच पर ये रन बनाए, जहां गेंद काफी स्विंग कर रही थी और रन बनाना मुश्किल था। ऐसी पिच पर सूर्या ने 151.52 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अपनी पारी में लगाए तीन छक्कों की बदौलत 2022 में उनके नाम अब 45 छक्के हो गए हैं इसके साथ ही वह पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान से आगे निकल गए हैं, जिन्होंने 2021 में 42 छक्के लगाए थे।

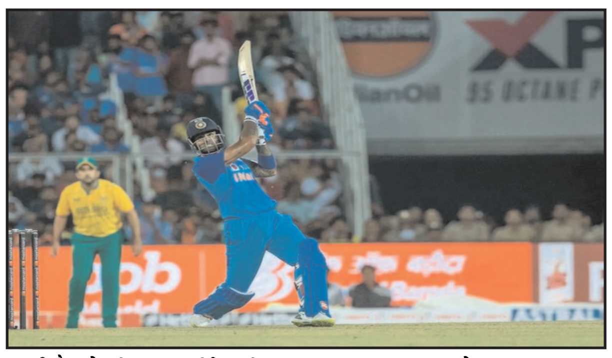

न्यूजीलैंड के दिग्गज मार्टिन गप्टिल 2021 में 41 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दिलचस्प बात यह है कि रिजवान ने अपने 42 छक्के लगाने के लिए 26 पारियां लीं, लेकिन सूर्यकुमार ने सिर्फ 21 पारियों में ऐसा किया।

मैच की बात करें तो इस मुकाबले में मैच की बात करें तो इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 106 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका के लिए केशव महाराज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। महाराज के अलावा एडन मार्करम ने 25 और वेन पार्नेल ने 24 रन बनाए। भारत की तरफ से अर्शदीप सिंह ने 3, दीपक चाहर और हर्षल पटेल ने 2-2 व अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया। जवाब में भारत ने केएल राहुल (नाबाद 51) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 50) की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 110 रन बनाकर जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कागिसो रबाडा और एनरिक नोट्र्जे ने 1-1 विकेट लिया।

भाला थामे नीरज ने प्रशंसकों के साथ गरबा खेला

बड़ौदा (ईएमएस)। ओलंपिक स्वर्ण विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का यहां 36वें राष्ट्रीय खेलों के उदघाटन समारोह से पहले पहुंचने पर भव्य स्वावगत हुआ। नीरज ने भी अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और भाला लिए हुए ही उनके साथ जमकर गरबा खेला। नीरज के गरबा खेलने वाले डांस का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। नवरात्र का अवसर होने के कारण बड़ौदा में गरबे की धूम थी। ऐसे में जब प्रशंसकों ने इस स्टार खिलाड़ी को अपने साथ गरबा खेलते हुए देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नीरज ने भी फैंस को निराश नहीं किया। इस अवसर पर पारंपरिक पोशाक पहने पहुंचे नीरज ने प्रशंसकों के साथ उन्हीं के अंदाज में खेला। वहीं प्रशंसक भी भी बीच-बीच में नारे लगाते दिखे, गरम गरम सीरो, नीरज भाई हीरो। नीरज ने जिस अंदाज में गरबा किया, उसे देखकर कोई नहीं कह सकता था कि यह उनके लिए नया है। नीरज ने गरबा करने के बाद माइक भी थामा और हजारों की संख्या में मौजूद अपने चाहने वालों से बात की। इससे पहले, उन्होंने डायमंड लीग फाइनल्स जीतने के बाद घोषणा की थी कि मैं इस साल राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा नहीं ले रहा हूं। इन खेलों से पहले मैंने अपनें कोच से बात की थी और उन्होंने अगले सत्र के लिए तरोताजा रहने के लिए मुझे आराम करने को कहा था।

प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ विश्व कप में मिलेगा : मनप्रीत

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग में स्पेन से खेलने का लाभ टीम को विश्व कप में मिलेगा। भारतीय टीम को विश्वकप में अपना पहला मैच स्पेन से ही खेलना है। मनप्रीत के अनुसार प्रो लीग मैच से उनकी टीम स्पेन की रणनीति बेहतर तरीके से समझ पायेगी।

मनप्रीत ने कहा, यह अच्छा है कि हमें प्रो लीग मुकाबले में अभी स्पेन के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। इससे हमें उनके खेलने का तरीका समझने का अवसर मिलेगा। साथ ही हमे पता चलेगा कि विश्व कप से पहले टीम को किस प्रकार के सुधार करने हैं।' उन्होंने कहा, कुल मिलाकर हॉकी के लिए यह रोमांचक समय है और मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर से प्रशंसक हमारा हौंसला बढ़ाने के लिए राउरकेला और भुवनेश्वर आएंगे।' भारतीय टीम विश्व कप के पूल डी में इंग्लैंड, स्पेन और वेल्स के साथ है। विश्व कप में स्पेन के खिलाफ भारतीय टीम का मुकाबला नये बने राउरकेला स्टेडियम में खेला जाएगा। यह विश्वका सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम बना है। मनप्रीत ने कहा, हम सभी ने अनुभव किया है कि भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में माहौल कितना बेहतर हो सकता है। मैंने सुंदरगढ़ के टीम के अपने साथियों से पता चला है कि इस क्षेत्र के प्रशंसक सभी मुकाबलों के लिए बड़ी संख्या में राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा कि नये बने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में 20 हजार से अधिक लोगों के बीच खेलने का अनुभव अनूठा रहेगा।

काशी के जिब्रान अंसारी ने 45वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

वाराणसी, (हि.स.)। काशी के जिब्रान अंसारी ने 45वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया है। अंसारी ने 50 मीटर (आईएसएसएफ) पिस्टल इवेंट में स्वर्ण पर निशाना साधा है। अंसारी ने 508 /600 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता का रजत पदक मेरठ

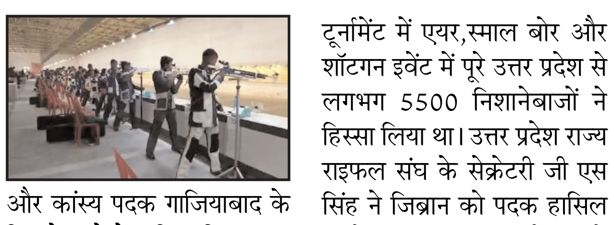

और कांस्य पदक गाजियाबाद के निशानेबाजों ने हासिल किया। इस टूर्नामेंट का आयोजन डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज पर 17 से 24 सितंबर तक किया गया था। टूर्नामेंट में एयर,स्माल बोर और शॉटगन इवेंट में पूरे उत्तर प्रदेश से लगभग 5500 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था। उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ के सेक्रेटरी जी एस सिंह ने जिब्रान को पदक हासिल करने पर बधाई दी व उनके अच्छे भविष्य की कामना की। वहीं, संघ के उपाध्यक्ष जगदीप मधोक ने उन्हें पदक पहनाकर बधाई दी।

ऐसे मैचों से काफी कुछ सीखने को मिलता है : रोहित

तिरूवनंतपुरम (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में आठ विकेट से मिली जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। इस मैच में जीत के लिये मिले 107 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 16.4 ओवरों में ही दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। साथ ही कहा कि इस प्रकार के मैचों से काफी कुछ सीखने को मिलता है। इस दौरान हमें पता था कि गेंदबाजों को सहायता मिलेगी इस मैच में पिच में नमी होने के कारण बड़े शॉट खेलना कठिन था। दोनो ही टीमों के बीच बराबरी की टक्कर थी पर गेंदबाजों के विकेट लेने से

हमारी टीम हावी हो गयी। साथ ही कहा कि हालात जैसे भी हों अपनी योजना पर अमल करने का लाभ मिलता ही है।

हमारे गेंदबाजों ने तय रणनीति के अनुसार काम किया क्योंकि हम जानते थे कि 107 का लक्ष्य आसान नहीं होगा। ऐसे में हालातों के अनुसार शॉट खेलना होता है। रोहित ने मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाले सूर्यकुमार यादव और लोकेश राहुल राहुल की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'शुरूआत में दो विकेट गिरने के बाद जिस तरह से सूर्यकुमार यादव और राहुल ने बल्लेबाजी की वह हमारे लिए निर्णायक साबित हुई। इस दौरान दोनो ने एक छोर संभाले रखने के अलावा एक से रन बनाये।

न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए अपनी नई जर्सी का किया अनावरण

वेलिंगटन, (हि.स.)। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए अपनी नई जर्सी का अनावरण किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया के जरिए जर्सी के अनावरण की घोषणा की। जर्सी का अनावरण एक फोटोशूट के माध्यम से किया गया था जिसमें डेवोन कॉनवे, डेरिल मिशेल, मार्टिन गप्टिल, लॉकी फर्ग्यूसन, ट्रेंट बोल्ट आदि जैसे प्रमुख कीवी खिलाड़ी नई जर्सी में थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया, "ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए हमारी शर्ट यहाँ है।" शर्ट के डिजाइन में रेट्रो लुक है और यह 90 के दशक की शुरूआत में पहनी जाने वाली शर्ट का एक संयोजन है। इसमें बिल्कुल नया डिजाइन है जो किवीज के काले रंगों को हेरिटेज ग्रे के साथ जोड़ता है। 1990 के दशक में न्यूजीलैंड की जर्सी में ग्रे रंग प्रमुख रूप से मौजूद था। इससे पहले 20 सितंबर को, न्यूजीलैंड ने आगामी टी20 विश्व कप 2022 के लिए अपनी टीम की

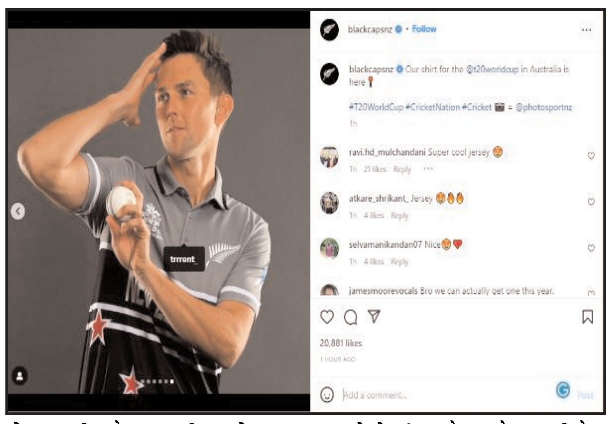

घोषणा की और सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल इस आयोजन में रिकॉर्ड सातवीं उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। न्यूजीलैंड की टीम शनिवार, 22 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एससीजी में अपने टी 20 विश्व कप अभियान की शुरूआत करेगी। टूर्नामेंट के 2021 संस्करण में न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम इस प्रकार है: केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), लॉकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गप्टिल, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी।

नीदरलैंड में महिला वॉलीबाल विश्व चैम्पियनशिप मैच में जीत के बाद तस्वीर खिंचाती हुई पूरी चीनी टीम। (फोटो-ईएमएस)

अर्जेन्टीना फुटबॉल टीम के कोच बने रहेंगे स्कालोनी : तापिया

हैरिसन (ईएमएस)। अर्जेन्टीना फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष चिक्वी तापिया ने कहा है कि लियोनल स्कालोनी साल 2026 विश्व कप तक अर्जेन्टीना फुटबॉल टीम के कोच रहेंगे। तापिया ने विश्व कप से पहले राष्ट्रीय टीम के अंतिम अभ्यास मैच में जीत के बाद यह घोषणा की है। तापिया ने कहा कि हम राष्ट्रीय टीम से जुड़ी सभी योजनाओं को अमल में लाने का प्रयास करेंगे। गौरतलब है कि विश्व कप 2018 के प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के खिलाफ अर्जेन्टीना की हार के बाद स्कालोनी ने जॉर्ज सैमपाओली की जगह कोच का पद संभाला था। उनके कोच रहते हुए अर्जेन्टीना ने पिछले साल कोपा अमरीका का खिताब जीता। यह साल 1993 में कोपा अमरीका के बाद उसका पहला बड़ा खिताब है।

बीबीएल 2022-23 सीजन में की जाएगी डीआरएस की शुरूआत

बिग बैश के अधिकारियों ने कहा कि भविष्य के सीजन में अधिक से अधिक डीआरएस कवरेज के लिए प्रयास किये जाएंगे।

मेलबर्न, (हि.स.)। बिग बैश लीग (बीबीएल) 2022-23 सीजन (पुरुषों और महिलाओं दोनों में) में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) की शुरूआत की जाएगी। पिछले साल कोरोना के कारण अंतरराष्ट्रीय और राज्य की सीमा बंद होने से इस तकनीक को लागू करने की योजना में देरी हुई। यह पुरुषों की प्रतियोगिताओं के सभी मैचों और महिलाओं की प्रतियोगिता के 24 मैचों के लिए उपलब्ध होगा। बिग बैश के अधिकारियों ने कहा कि भविष्य के सीजन में अधिक से अधिक

डीआरएस कवरेज के लिए प्रयास किये जाएंगे। डीआरएस का इस्तेमाल इंडियन प्रीमियर लीग, द हंड्रेड, पाकिस्तान सुपर लीग, कैरेबियन और बांग्लादेश जैसी लीगों में किया जा रहा था। बीबीएल से इसकी अनुपस्थिति पिछले कुछ वर्षों में एक प्रमुख चर्चा का विषय बन गई थी। लीग के बॉस एलिस्टेयर डॉब्सन ने कहा, "लीग दुनिया में सबसे बेहतरीन क्रिकेट प्रतियोगिताओं के अनुरूप डीआरएस को पेश करके खुश है। कोरोना महामारी के कारण डीआरएस को लागू करना बीबीएल के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम रहा है, जो दुनिया में सबसे अधिक जटिल टी 20 लीग है।" 13 अक्टूबर को ब्रिस्बेन हीट और सिडनी सिक्सर्स के बीच डब्ल्यूबीबीएल सीजन का पहला मैच डीआरएस वाला पहला बिग बैश मैच होगा। बता दें कि महिलाओं का बीबीएल 13 अक्टूबर से शुरू होगा, जबकि पुरुष बीबीएल 13 दिसंबर से शुरू होगा और अगले साल 4 फरवरी तक चलेगा।

चीन सीमा की अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों का रक्षा मंत्री ने बढ़ाया हौसला

- एलएसी के अरुणाचल सेक्टर में रक्षा तैयारियों की सैन्य अधिकारियों से ली जानकारी
- असम के दिनजान में सेना के फॉर्मेशन का दौरा करके सैनिकों से मिले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समय तीन दिनों के लिए अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर हैं। वे सेना के ठिकानों का दौरा करके चीन सीमा पर भारत की रक्षा तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। इसी क्रम में अपने दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को राजनाथ सिंह ने चीन सीमा पर भारत की ऑपरेशनल तैयारियों का जमीनी आकलन करने के लिए अग्रिम चौकियों का दौरा किया। इस दौरान वह मोर्चे पर तैनात सैनिकों से मिले और बातचीत करने के दौरान उनका हौसला अफजाई की। बुधवार को उन्होंने असम के दिनजान में सेना के फॉर्मेशन का दौरा करके अपने दौरे की शुरूआत की थी। यहां उन्होंने जवानों के साथ कुछ वक्त बिताया और सैनिकों ने रक्षा मंत्री को 'संदेशे आते हैं, संदेशे जाते हैं, मैं वापस आऊंगा....फिल्मी गीत के माध्यम से सीमा पर तैनाती के दौरान अपने परिजनों को याद करने का दर्द बयां किया। इसके बाद रक्षा मंत्री ने ट्वीट करके कहा "दिनजान, असम में भारतीय सेना के जवानों के साथ अद्भुत बातचीत हुई। इन गौरवान्वित सैनिकों के साहस, सतर्कता और वीरता के कारण हमारा राष्ट्र सुरक्षित और सुरक्षित है।" रक्षा मंत्री के साथ थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आरपी कलिता भी हैं। अपनी यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह ने देश के पूर्वी हिस्से में सैन्य फॉर्मेशन की अभियानगत तैयारी की समीक्षा की। उन्हें जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 3 कोर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ क्षमता विकास और सेना की अभियानगत तैयारियों के बारे में जानकारी दी। रक्षा मंत्री को अग्रिम पंक्ति में तैनात सैनिकों की अभियानगत दक्षता बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में स्पीयर कॉर्प्स के सभी रैंकों के उत्कृष्ट कार्यों और उत्कृष्ट सेवाओं को सराहा। रक्षा मंत्री का यह दौरा इस लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि लद्दाख सीमा पर आखिरकार सर्दी ने दस्तक दे दी है। उच्च ऊंचाई पर स्थित अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों के लिए भारतीय सेना अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे चुकी है। अभी तो यहां ठंड की शुरूआत है, अक्टूबर तक सारी पहाड़ियां बर्फ से जम जाएंगी। अपनी इस यात्रा के दौरान वह स्थानीय इडु मिश्मी जनजाति के वार्षिक ट्रेक अथु पोपू के दूसरे धार्मिक अभियान के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे, जिसे भारतीय सेना 2021 से आउटरीच के हिस्से के रूप में सुविधा दे रही है। इसके अलावा स्थानीय लोगों का समर्थन करने और पर्यटन के विकास की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। रक्षा मंत्री अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। यात्रा के दौरान सेला सुरंग की प्रगति समीक्षा भी करने की योजना है।

नए सीडीएस अनिल चौहान ने बालाकोट एयर स्ट्राइक में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका

-एनएसए अजीत डोभाल के साथ भी कर चुके हैं काम

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के पद पर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) अनिल चौहान की नियुक्ति की गई है। इससे पहले के सीडीएस जनरल बिपिन रावत का हेलीकॉप्टर हादसे में निधन हो गया था, जिसके बाद से ही यह महत्वपूर्ण पद रिक्त था। देश को महीनों से उनके उत्तराधिकारी की तलाश थी जो अब पूरी हो गई है। सीडीएस का पद 9 महीने से भी ज्यादा समय से रिक्त था। अनिल चौहान सीएडाएस के साथ ही सैन्य मामलों के सचिव के तौर पर भी अपनी भूमिका निभाएंगे। अनिल चौहान कई सैन्य अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुके हैं। उन्हें चीन मामलों का भी विशेषज्ञ माना जाता है। अनिल चौहान साल 2019 में बालाकोट हवाई हमले के दौरान महानिदेशक सैन्य अभियान (डीजीएमओ) थे। भारतीय लड़ाकू विमानों ने पुलवामा आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के अंदर घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को तबाह कर दिया था। लेफ्टिनेंट जनरल चौहान (सेवानिवृत्त) भारत के दूसरे सीडीएस के रूप में कार्यभार संभालने के बाद 4 स्टार रैंक के जनरल का पद ग्रहण करेंगे। देश के नए सीडीएस अनिल चौहान पिछले साल पूर्वी सेना कमांडर के रूप में सेवानिवृत हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे थे। रक्षा मंत्रालय की और से जारी बयान में कहा गया है कि सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) को अगले सीडीएस के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया है। वह सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में भी काम करेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) अनिल चौहान का जन्म 18 मई 1961 को हुआ था। उन्हें साल 1981 में भारतीय सेना की 11 गोरखा राइफल्स में कमीशन प्रदान किया गया था। लगभग 40 वर्षों से अधिक के अपने करियर में लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान ने कई कमान, स्टाफ और महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्हें जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में आतंकवाद विरोधी अभियानों का व्यापक अनुभव है।

मप्र में व्यापमं की तरह घोटाले जारी, कब होगी भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाईः कमलनाथ

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में कथित घोटालों और सरकारी योजनाओं में गड़बड़ियों को लेकर कांग्रेस मुखर है और राज्य सरकार को लगातार घेरने की कोशिश में जुटी है। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सिंह चौहान सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश में व्यापमं की तरह घोटाले जारी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पूछा है कि भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई कब होगी? कमलनाथ ने गुरुवार को ट्वीट करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में व्यापमं की तरह घोटाले जारी, हर योजना में भ्रष्टाचार, हर काम में फजीवाडा..., हाईकोर्ट ने अब नर्सिंग कालेजों की गड़बड़ियों की जाँच सीबीआई को सौंपी, नर्सिंग कालेजों की संबद्धता व मान्यता के नाम पर जमकर किया गया है फजीवाडा। उन्होंने पूछा है कि दोषियों पर आखिर कार्यवाही कब होगी, भ्रष्टाचारी कब गढ़ेंगे?

कांग्रेस ने बताया भाजपा की बी टीम तो भड़क उठे ओवैसी

बुरहानपुर (ईएमएस)। कांग्रेस पार्टी ने मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में हाल ही में संपन्न हुए नगरपालिका के चुनाव के परिणाम का हवाला देते हुए असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बी टीम करार दिया है। हालांकि, पवन खेड़ा ने अपने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके द्वारा साझा किए गए आंकड़े यह बताने के लिए प्रयाप्त थे कि उनका निशाना किस तरफ था। ओवैसी ने अपने अंदाज में पवन खेड़ा और कांग्रेस को जवाब दिया है। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी को 'वॉकर इन चीफ' करार दिया। पवन खेड़ा ने बुधवार को एआईएमआईएम और आम आदमी पार्टी दोनों ही पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया, "आप देख सकते हैं कि भाजपा की बी टीमें किस तरह रणनीतिक रूप से पार्टी को जीत दिलाती हैं।" पवन खेड़ा ने जो आंकड़े साझा किए, उनमें कांग्रेस केवल 388 मतों से भाजपा से हार गई। ओवैसी की पार्टी को 10,322 वोट मिले जबकि आप को सिर्फ 2,908 वोट मिले। असदुद्दीन ओवैसी ने पवन खेड़ा के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि उसने 2019 में 186 लोकसभा सीटों में से केवल 15 सीटें क्यों जीतीं, जहां उसका सीधा मुकाबला भाजपा से था। ओवैसी ने लिखा, "भाजपा किसी और पार्टी से ज्यादा कांग्रेस के वोट काट रही है। कांग्रेस को मांग करनी चाहिए कि बीजेपी चुनाव लड़ना बंद कर दे। राहुल गांधी और उनकी चल रही भारत जोड़ो यात्रा पर कटाक्ष करते हुए ओवैसी ने राहुल गांधी को 'वॉकर इन चीफ' कहा। ओवैसी ने पूछा, "कांग्रेस अमेठी क्यों हार गई।

सपा अखिलेश की जागीर है, राजनीतिक पार्टी नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को समाजवादी पार्टी(सपा) का तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने तंज कसा है। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि ह्यसमाजवादी पार्टी कोई राजनीतिक पार्टी ही नहीं, बल्कि एक खास परिवार की जागीर है जिसके मुखिया अखिलेश यादव हैं। सपा में चुनाव तो केवल दिखावा है।

उल्लेखनीय है कि सपा का राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ के रमाबाई अम्बेडकर मैदान में चल रहा है। बुधवार को सपा का प्रदेश सम्मेलन सम्पन्न हुआ था। प्रदेश सम्मेलन में सर्वसम्मति से वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम को दुबारा सपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वहीं गुरुवार को चल रहे सपा के राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के नेताओं की उपस्थिति में अखिलेश यादव को तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। अखिलेश यादव के तीसरी बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर राजनीतिक पार्टियों समेत आम लोगों की तरह-तरह की टिप्पणियां सोशल मीडिया पर आने लगी हैं। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता आलोक अवस्थी ने ट्वीट किया कि परिवारवाद की पार्टियों में कुर्सी बदलने का खेल चल रहा है।

चाहे लालू यादव हों या फिर अखिलेश यादव, कुर्सी बदलने का खेल एक बार फिर से जारी है। ये कुर्सियां बदलकर जनता को मूर्ख बनाते हैं। जनता भी इनको अपने वोट से इसका जवाब देती है।

डीआरडीओ विश्व प्रसिद्ध जैव रसायन और भौतिकी विशेषज्ञों से आईटीबीपी की करेगी मदद

नई दिल्ली, (हि.स.)। नई दिल्ली डीआरडीओ मुख्यालय और डीआरडीओ ग्वालियर में अपने विश्व प्रसिद्ध जैव रसायन और भौतिक भौतिकी विशेषज्ञों को शामिल करके भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की मदद करने का काम शुरू किया है, ताकि "मेक इन इंडिया" के लक्ष्य के साथ के9 टारगेट ओडोर गंध पैड का निर्माण करने के लिए एक अग्रणी अनुसंधान एवं विकास किया जा सके। इस क्षेत्र पर आधारित इस प्रयास से इस भारतीय परियोजना उत्पादन से विदेशी एकाधिकार को तोड़ने में मदद मिलेगी है। आईटीबीपी के प्रवक्ता विवेक पांडेय ने बताया कि प्रसिद्ध डीआरडीओ वैज्ञानिक डॉ संगीता राव आचार्य अडांकी, निदेशक डीएलआईसी डीआरडीओ और डॉ ओम कुमार, वैज्ञानिक, एक विश्व प्रसिद्ध जैव रसायन विशेषज्ञ, इस परियोजना को विदेशी के9 खुशबू पैड की लागत के 1/100 वें पर के9 वाले गंध पैड बनाने के लिए तैयार कर रहे हैं। डीआरडीओ से संपर्क करने के लिए आईटीबीपी की इस पहल से सुरक्षा एजेंसियों सहित सभी सीएपीएफ/राज्य पुलिस संगठनों और सुरक्षा बलों को विस्फोटकों और नशीले पदार्थों का पता लगाने में सर्विस के९२ की घ्राण कंडीशनिंग को बढ़ाने के लिए विशिष्ट विस्फोटक और मादक गंध किट रखने में मदद मिलेगी। भारत में वितरकों वाली एक अमेरिकी कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इन 'सुगंध पैड किट' की लागत इस प्रकार है। हेरोइन / अफीम, मारिजुआना, फेंटानिल, एलएसडी और एमडीएमए के लिए हर एक खुशबू किट $ 369.98 यानी 29,127 रुपये प्रत्येक है। इसके अलावा, टीएनटी, नाइट्रोग्लिसरीन, पीईटीएन, सेमटेक्स आदि के लिए प्रत्येक सुगंध किट की कीमत भी $ 369.98 यानी प्रत्येक 29,127 रुपये है। टीएटीपी खुशबू वाले पैड की कीमत 599.99 डॉलर यानी 47,235 रुपये है। इन विदेशी किटों में से प्रत्येक को कुछ समय के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, इस प्रकार भारी किफायती किट बनायी जा सकेंगी जिससे विदेशी मुद्रा कि बचत होगी। वर्तमान में भारत में सभी सुरक्षा बल के९२ 'असली सामग्री' पर आधारित हैं, और इस किट के निर्माण से एक अक्रिय सामग्री पर एक विशिष्ट लक्षित गंध को लगाने से के9 गंध घ्राण में आने वाली कई शुरूआती परेशानी दूर हो जाएगी। डीआरडीओ ने आईटीबीपी के पशु चिकित्सा प्रमुख सुधाकर नटराजन के साथ एक उच्च स्तरीय वैज्ञानिक बैठक की व्यवस्था की और इस तकनीकी परियोजना के तकनीकी मानकों को समझने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से डीआरडीओ ग्वालियर विशेषज्ञों को शामिल किया। डीजी आईटीबीपी की ओर से डीआईजी सुधाकर नटराजन द्वारा इस अनूठी डीआरडीओ अनुसंधान परियोजना को चिह्नित करने के लिए इस परियोजना के मुख्य समन्वयक डॉ ओम कुमार को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया, जो भारत को के9 सुगंध पैड और ओल्फैक्शन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर' बना देगा।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक
अनिल सेठी
नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक
संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) •मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
•अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092
संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹60,000/-
FULL BACK PAGE	₹90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹66,000/-
HALF PAGE INNER	₹36,000/-
HALF PAGE BACK	₹51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 30 sep 2022:Layout 1 9/29/2022 6:50 PM Page 8

हुमा कुरैशी बोली- फिल्म 'डबल एक्सएल' मेरे जीवन में एक मजेदार बात के रूप में शुरू हुई

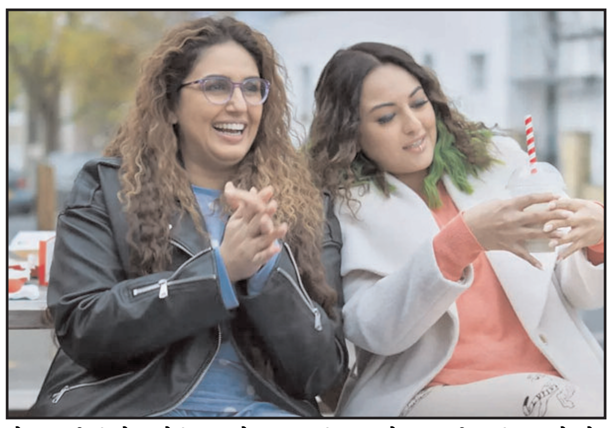

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड की असाधारण अदाकारा हुमा कुरैशी खास यर्थाथवादी फिल्मों के लिए जानी जाती हैं अब उन्होंने खुलासा किया कि सोनाक्षी सिन्हा के साथ उनकी आने वाली फिल्म 'डबल एक्सएल' की कहानी उनके जीवन में एक मजेदार बातचीत के रूप में शुरू हुई क्योंकि सभी कलाकार "लॉकडाउन के बाद वजन" को लेकर परेशान थे।

हुमा ने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा किया कि यह विचार कैसे आया। उन्होंने लिखा, "मेरे सबसे करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक मजेदार बातचीत के रूप में शुरू हुआ- सोनाक्षी, जहीर, साकिब और मुदस्सर, सचमुच मेरे लिविंग रूम में, और अब यह इस फिल्म का परिणाम है। सभी कलाकार 'लॉकडाउन के बाद वजन' के बारे में विलाप कर रहे थे जो हमने हासिल किया था और मुदस्सर ने इसके इर्द-गिर्द एक कहानी गढ़ी थी।" इस कहानी को बाद के महीनों में अधिक से अधिक दोस्तों के साथ-साथ सझेदार भी मिले क्योंकि हमने इस यात्रा में साथ दिया। यह एक फिल्म है जिसे बहुत प्यार से लिखा और बनाया गया है। इसके बाद उन्होंने 'डबल एक्सएल' के सपने में शामिल होने और इसे साकार करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, "यह फिल्म उन सभी के लिए है जो बड़े सपने देखने की हिम्मत करते हैं।"

फिल्म एक सोशल कॉमेडी ड्रामा है, जिसके लिए दोनों अभिनेत्रियों ने बड़े पैमाने पर अपने लुक के लिए मेहनत की है और फिल्म में अपनी भूमिकाओं के लिए अतिरिक्त वजन भी बढ़ाया है, फिल्म को भारत और यूके में बड़े पैमाने पर शूट किया गया है। फिल्म दो प्लस-साइज महिलाओं की यात्रा की खोज करती है।

साथ ही फिल्म में जहीर इकबाल और महत राघवेंद्र भी हैं। भूषण कुमार और कृष्ण कुमार, विपुल डी. शाह, राजेश बहल और अश्विन वर्दे, साकिब सलीम, हुमा कुरैशी और मुदस्सर अजीज द्वारा निर्मित 'डबल एक्सएल' 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

'मुझे लगता है कि कुछ होने वाला है': स्वरा भास्कर

-बोली एक्ट्रेस- ट्रोलिंग का उन पर नहीं पड़ता कोई असर

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर देश के ज्वलंत मुद्दों पर मुखरता से अपनी बात रखती हैं। कई बार सोशल मीडिया पर इसके चलते उन्हें ट्रोल भी होना पड़ता है। हालांकि ट्रोलिंग का स्वरा पर कोई असर नहीं पड़ता है। इन्हीं सब के बीच एक्ट्रेस ने बताया कि वह ट्रोल्स से कैसे निपटती हैं। हालिया एक इंटरव्यू में उन्होंने साझा किया कि उन्होंने इससे कैसे निपटना सीखा। बातचीत के दौरान, स्वरा ने उन लोगों के साथ अपनी स्थिति का एक असामान्य साहृश्य बनाया, जो घरेलू स्तर पर दुर्व्यवहार करते हैं। उन्होंने बताया, मैं अक्सर अंदर से एक किचड़ में हूं लेकिन आप इससे निपटना सीखते हैं, जो अच्छी बात नहीं है। मैं आपको एक बहुत बुरा उदाहरण दूंगी जो किसी को भी इसके साथ ठीक नहीं होना चाहिए। अगर कोई महिला है जो घरेलू हिंसा का सामना कर रही है और यह जारी है और वह किसी भी कारण से अपनी स्थिति नहीं बदल सकती है, तो वह मुकाबला करने की रणनीतियां बनाएगी। उसे पता चल जाएगा कि अब मैं हिट हो जाऊंगी और यह एक बहुत ही जटिल जगह है जहां पीड़िता हिंसा का सामना करना और उससे निपटना सीखती है। इसलिए, मुझे लगता है कि मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ है, मानसिक रूप से, ट्रोलिंग और गालियों के साथ। आगे विस्तार से बताते हुए, स्वरा ने बताया कि आमतौर पर एक निश्चित विचारधारा वाले लोग उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करते रहते हैं। वह कहती हैं, कभी-कभी मैं एक ट्वीट देख सकती हूं और मुझे लगता है कि कुछ होने वाला है और मुझे पता है कि यह शुरू हो गया है और इसमें 24 घंटे का चक्र है। तो, मैं भी ट्विटर विवाद की लहर को समझ गई हूं। मुझे जो ट्रोलिंग मिलती है वह बहुत ही एजेंडा से प्रेरित होती है। यह एक विशेष राजनीतिक विचारधारा के लोग हैं जो मुझे ट्रोल करते हैं और ऐसा क्यों करते हैं, मुझे भी यह पता है। बता दें कि 2009 में माधोलाल कीप वाकिंग से अपने करियर की शुरूआत करने वाली स्वरा अभी तक कई फिल्मों का हिस्सा रही हैं, जिसमें अपने शानदार अभिनय के बल पर उन्होंने एक अलग पहचान बनाई है। तनु वेड्स मनु, रांझणा, प्रेम रतन धन पायो, तुन वेड्स मनु रिटर्न्स और वीरे दी वेडिंग जैसी कई फिल्मों में सहायक भूमिका निभाई है। स्वरा भास्कर को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जहां चार यार में देखा गया था।

कुछ अलग करने में लगे रहते हैं ऋचा और अली

-सहूलियत के लिए कपल ने उठाया बड़ा कदम

मुंबई (ईएमएस)। फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक ऋचा चड्ढा और अली फजल दोनों बिल्कुल अलग करने की ख्वाहिशें रखते हैं। दोनों ऐसे कपल हैं जो पानी के साथ बहना पसंद नहीं करते हैं और हमेशा कुछ अलग करने में लगे रहते हैं। शादी की तैयारियों को लेकर भी वह कुछ ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने अपनी शादी की थीम विंटेज रखी है। उनके शादी के निमंत्रण पत्र सहित शादी समारोह के लिए कुछ अलग एलिमेंट्स शामिल हैं। जहां, बॉलीवुड इंडस्ट्री में नो फोन पॉलिसी का चलन बढ़ा है। वहीं, इन दोनों ने इस पॉलिसी को अपनाने से साफ इनकार कर दिया है। दरअसल, विक्की कौशल-कैटरीना कैफ, वरुण धवन-नताशा दलाल, रणबीर कपूर-आलिया भट्ट समेत कई सेलेब्स ने शादी तो की लेकिन गेस्ट को मोबाइल फोन इस्तेमाल करने से मना कर दिया था। लेकिन अली-ऋचा ऐसा नहीं कर रहे हैं। अली फजल और ऋचा चड्ढा का मानना है कि नो फोन पॉलिसी की वजह से गेस्ट और फंक्शन का माहौल खराब हो जाएगा। इसी वजह से वे चाहते हैं कि फंक्शन्स का मूड मजेदार हो और वे चाहते हैं कि उनके मेहमान ज्यादा से ज्यादा रिलैक्स रहे और शादी में अच्छा समय बिताएं। उनके निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि अपने फोन छोड़ो और आनंद लो। इस पल को कैमरे में कैद करने की चिंता न करें। इसे वास्तविक समय में कैप्चर करें। ऋचा चड्ढा और अली फजल का मानना है कि जब लोग अपने आप पर प्रतिबंध नहीं लगाते हैं, तो वे अधिक सहजता से रह सकते हैं। वे चाहते हैं कि लोगों के पास उनके फोन हों लेकिन फिर भी उनके समय अच्छे से बीते। ऋचा चड्ढा और अली फजल की शादी के फंक्शंस 30 सितम्बर से शुरू हो जाएंगे। शादी से पहले कॉकटेल, मेहंदी और संगीत तीन प्री वेडिंग फंक्शन होंगे।

ईशा सिंह बोली टीवी और सिनेमा में ज्यादा फर्क नहीं

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह ने रत्ना सिन्हा निर्देशित फिल्म मिडिल क्लास लव से बॉलीवुड में एंट्री की है। कई छोटे पर्दे के अभिनेता अक्सर फिल्मों में स्विच करने की कोशिश करते समय उनके साथ हुए भेदभाव के बारे में बात करते हैं, लेकिन ईशा का इस पर एक अलग दृष्टिकोण है। ईशा ने कहा मेरा मानना है कि मुझे टीवी और सिनेमा में कोई ज्यादा फर्क नजर नहीं आता। वास्तव में, यह उन्हें एक फायदा देता है, क्योंकि उनके पास है एक बड़ा प्रशंसक आधार। हमने कई अभिनेताओं को देखा है जो टीवी से फिल्मों में चले गए और उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। ईशा सिंह ने टीवी शो 'इश्क का रंग सफेद' से अभिनय की शुरूआत की थी और फिर उन्होंने 'एक था राजा एक थी रानी', 'इश्क सुभान अल्लाह' प्यार तूने क्या किया और सिर्फ तुम में काम किया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि दर्शक नए चेहरों के साथ फिल्मों को स्वीकार नहीं करते हैं। मुझे लगता है कि कहानी काम करती है। अगर दर्शकों को कहानी बांध नहीं पाती, तो कोई दूसरा फामूर्ला भी काम नहीं करता।

नए ब्लॉकबस्टर गाने 'गोरी है' से काफी कनेक्ट है युवा

- एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने नए एल्बम को लेकर की बात

जयपुर (ईएमएस)। शहर के वैशाली नगर स्थित एक सैलून में एक्ट्रेस सोफी चौधरी अपने नए एल्बम के प्रमोशन के लिए पहुंची। इस दौरान अदाकारा और वीडियो डायरेक्टर लोवल अरोड़ा ने एल्बम से जुड़े अनुभव साझा किए। सोफी ने इस दौरान बताया कि नए ब्लॉकबस्टर गाने 'गोरी है' से आज का युवा काफी कनेक्ट कर रहा है, लॉन्च से तीन हफ़्तों में ही म्यूजिक वीडियो को यूट्यूब 17 मिलियन लोगों ने देखा है। अमिताभ बच्चन और जया प्रदा पर फिल्माएं गाने 'गोरी है कलाइयां' अपने दशक का काफी पसंदीदा गाना रहा है और आज भी इस गानें को लोग काफी पसंद करते है। इस गानों को सुनकर मुझे लगा की इस गानें को आज के युवाओं से कनेक्ट करना चाहिए। इस गानें की भव्यता को देखते हुए मैंने इसके साथ कोई छेड़-छाड़ नहीं की सिर्फ इस गाने की हुक लाइन का ही इस्तेमाल किया है। सोफी चौधरी ने कहा कि आज जिस तरह की फिल्में बन रही है उसमे ऑडियंस का रुख देखते हुए फिल्मों में एक-दो ही गाने होते हैं। इनमें भी लिप सिंक जैसे गीत बहुत कम हो गए हैं।

अब गीत 30 सेकंड से ज्यादा याद ही नहीं रहते। मगर पुराने गीतों की भावना, उनकी महक लोगों को अभी भी बहुत भाती है, यही कारण है कि मैं पुराने गीता को नए अंदाज में लोगों तक पहुंचा रही हूं। पुरानी फिल्मों के मधुर गीतों के अंश लेकर नए गीत और वीडियो बनाने का मेरा काम मुझे अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया से कलाकार की पहुंच बहुत व्यापक हो गई है हालांकि गानों और फिल्मों की जिंदगी भी बहुत कम हो गई है। कलाकार और गीत जितनी जल्दी प्रसिद्ध होते हैं उतनी ही जल्दी भुला भी दिए जाते हैं। बता दें कि सौफी बाबू छैल छबीला.', 'एक परदेसी मेरा दिल ले गया.', 'हंगामा हो गया.' जैसे पॉप्युलर एलबम्स के बाद बीते दिनों अपने नए ब्लॉकबस्टर गाने 'गोरी है' के गानों पर ठुमकती दिखी।

प्राचीन मार्शल आर्ट सीख रही काजल

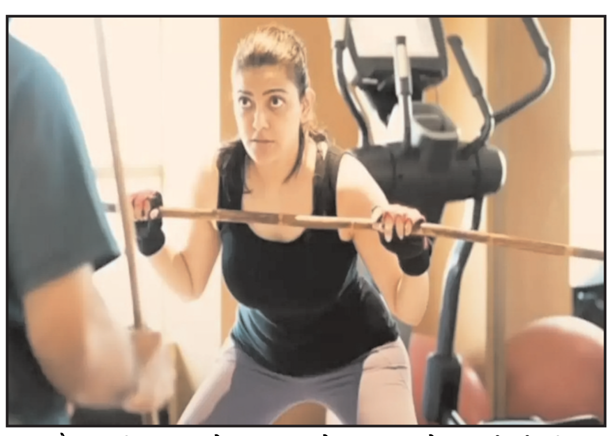

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने कहा कि प्राचीन मार्शल आर्ट एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वह तीन साल से अधिक समय से कलारीपयट्टू सीख रही हैं। कलारी सत्र के दौरान अपना एक वीडियो पोस्ट कर काजल ने लिखा, "कलारीपयट्टू एक प्राचीन भारतीय मार्शल आर्ट है, जिसका मतलब है - युद्ध के मैदान की कला में अभ्यास।" "इस कला रूप का जादू शाओलिन, कुंग फू और इसके परिणामस्वरूप कराटे और ताइक्वांडो के जन्म में विकसित हुआ। कलारी का इस्तेमाल आमतौर पर गुरिल्ला युद्ध के लिए किया जाता था और यह एक सुंदर अभ्यास है जो साधक को शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाता है।"तीन वर्षों में इसे रुक-रुक कर सीखने के लिए आभारी हूं! सीवीएन कलारी (उनका कलारी स्कूल) शानदार और इतना धैर्यवान रहा है, समय के साथ अलग-अलग डिग्री पर सीखने और प्रदर्शन करने की मेरी क्षमता के अनुसार मेरा मार्गदर्शन किया। ऐसे अद्भुत टीचर होने के लिए धन्यवाद।" दिलचस्प बात यह है कि चार महीने पहले ही एक बच्चे को जन्म देने वाली अभिनेत्री काजल, कलारी का अभ्यास करने के अलावा घुड़सवारी भी सीख रही हैं।

नीलम ने कहा- करण जौहर मुझे बहुत प्रिय है

-पेशेवर अभिनय से विश्राम ले लिया था नीलम ने

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री नीलम ने एक कुशल आभूषण डिजाइनर के रूप में अपने करियर और अपने पारिवारिक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पेशेवर अभिनय से विश्राम लिया था। 1998 में करण 'कुछ कुछ होता है' के लिए नीलम को पर्दे पर वापस लाने के लिए उत्सुक थे और इस तरह उन्होंने उन्हें फिल्म में खुद के लिए राजी कर लिया। नीलम ने कहा, "करण जौहर मुझे बहुत प्रिय हैं। जब फिल्म निर्माण की बात आती है तो वह एक प्रतिभाशाली हैं। एक्ट्रेस नीलम कोठारी सोनी ने हाल ही में करण जौहर के साथ खुलकर अपने बारे में बात की है। नीलम ने कहा- वास्तव में, 'कुछ कुछ होता है' भी फिल्मों से मेरे विश्राम के कुछ समय बाद हुआ। करण को यकीन था कि मेरा कैमियो याद किया जाएगा, करण में निश्चित रूप से एक जादुई दूरदर्शिता है। अगर वो नही होते तो मैं फिल्म नही कर पाती।"एक बार फिर इतने सालों बाद नीलम ने 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' में अपनी वापसी की वो भी करण जौहर की वजह से ही। इसको लेकर फिर नीलम ने कहा, "वास्तव में, उन्होंने ही मुझे 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के साथ बॉलीवुड के लिए पर्दे पर वापस आने के लिए राजी किया। यह उनके साथ कुछ ऐसा है, जैसे उन्हें मुझे पर्दे पर वापस लाने की आदत है, चाहे वह 'कुछ कुछ होता है' हो या 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स'।" 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' की तीसरी कड़ी में नीलम ने घोषणा की कि वह जोया अख्तर की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'मेड इन हेवन 2' का हिस्सा बनने जा रही हैं। बता दें कि नीलम को ओटीटी सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में अपने काम के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

सूडोकु नवताल- 6473

★★★✯☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6472 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6955

सा	श	मु	ग	सु	हा	ग	व	धी	ल	उ
अ	व	का	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	म
ग	य	न	व	दी	खू	स	नि	य	त	रा
र	लि	ल	भा	अ	ता	ब	द	ह	ख	व
तु	स	अ	ऋ	दो	र	षा	सू	बा	प	जा
म	क	र्त	व्य	त	म	ला	र	र	श	न
न	स	अ	क	रा	न	भि	द	शा	त	व
हो	अ	ल	ल	व	जी	अ	ऐ	नि	प	सा
ते	बा	ब	अ	त	क	छ	प्प	न	शा	जू
क	म	बा	तें	व	झू	ठी	द	अ	जू	न
रा	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

शब्द जाल में रेखा द्वारा अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

सावन भादो, राम बलराम, नियत, सुहाग, खूबसूरत, अगर तुम न होते, झूठी, कर्तव्य, निशान, उमराव जान.

शब्दजाल - 6954 का हल

बं	न	गा	र	न	ब	ज	क	ब	ल	न
ब	ज	य	लि	दा	व	का	मौ	स	ल	य
ई	रा	ब	न	ज	वा	ज्यो	दा	बं	य	ना
का	ना	बं	र	ता	वी	ब	ति	ल	न	भि
म	इ	दि	म	स	रा	द	श	न	ब	रा
न	म	स्का	र	र	र	क	व	ना	श	म
न	बं	दि	श	वा	क	जी	र	ग	प	ब
व	र	न	ग	मा	व	सी	ब	न	प	न
नी	ब	ल	ज	न	बा	री	न	ज	प	र
त	मी	ल	प	बू	या	स	वी	ब	प	जा
का	न	न	व	नि	र्मा	ण	न	ग	प	बं

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5908

5		1		6		2
4	25	2	32		36	
			6	7		3
	31	3	42		33	
3	2	7		4	5	
	37		35	3	30	
2		6		1		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5907 का हल

5	3	6	4	1	7	2
4	33	2	32	2	28	7
1	5	7	6	4	2	3
6	33	5	42	3	31	6
3	2	4	6	7	5	1
7	27	3	35	5	40	5
2	5	1	3	6	7	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in